

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो फिथ, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू मॉड्यूलर ओटी, यूरो सर्जरी, बेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसबी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वत..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 08 अक्टूबर 2026

दिन - गुरुवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 252

मूल्य - 5 रुपये

7Years

IN HEALTH, NURS & REHABIL

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपगम भारत योजना (PMABY) एवं BHUPAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोंड़ा

सोना, चांदी, हीरे एवं संपूर्ण हॉलमार्क ज्वेलरी के विक्रेता

नूपुर डायमंड ज्वेलरी

विश्वास, सौंदर्य और श्रेष्ठता से अलंकृत

नूपुर ज्वेलर्स

स्टेट बैंक के पास फोन - 07632-240753

मेन रोड, बालाघाट मो. 9977229027

दूसरे दिन फिर प्रदर्शन, राहुल गांधी समेत कई नेता लिए गए हिरासत में

नयी दिल्ली, (भाषा)।

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन चुनाव प्रणाली से जुड़ी अनियमितताओं और 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर बुधवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली में सड़क पर उतरा और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में विपक्षी सांसदों ने जनपथ से जंतर-मंतर की ओर बस से कूच किया, लेकिन पुलिस ने

उन्हें पहले ही रोक दिया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। हालांकि, कुछ देर बाद इनको रिहा कर दिया गया। हिरासत से रिहा होने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक मुख्य निर्वाचन आयोग को न्याय न मिले।

उन्होंने कहा कि सरकार और निर्वाचन आयोग विपक्ष की आवाज को दबा सकते हैं, लेकिन जनता की इच्छा को नहीं रोक सकते। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर कहा, "वे मार्च रोक सकते हैं। वे बैठक से इनकार कर सकते हैं। लेकिन वे हमारे लोगों की इच्छा को नहीं रोक सकते। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष जगदीश कुमार और 'पूरे सिस्टम' को जवाबदेह ठहराए जाने की जरूरत है। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों का आभार भी जताया। जंतर-मंतर की ओर मार्च से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जनपथ रोड स्थित 'सागर रत्न' रेस्तरां में विपक्षी सांसदों के लिए दोपहर भोजन का आयोजन किया। इसमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वाम दलों

समेत विपक्षी दलों के कम से कम 100 सांसद शामिल हुए। भोज के बाद विपक्षी सांसद तीन बसों में सवार होकर जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए। पुलिस ने अशोक रोड पर शांरी-ला होटल के सामने विपक्षी सांसदों को रोक दिया। इसके बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी को एक टेंपो टैक्सी में बैठाकर मौके से ले जाया गया। उनके हिरासत में लिए जाने के बाद कई कांग्रेस कार्यकर्ता वाहन की छत पर चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकें जाने पर प्रियंका गांधी वाद्रा ने विरोध जताया। वह सड़क पर लेट गई। उनके हाथ में संविधान की प्रति थी। इस दौरान विपक्षी कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी करते रहे। बाद में, राहुल गांधी और कुछ अन्य नेताओं को बाराखंबा थाने ले जाया गया। प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं को छत्रसाल स्टेशन पर ले जाया गया। बाद में उन्हें छोड़ दिया

आईओसी अधिकारी हत्याकांड: हिंगोली पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया

छ.संभाजीनर, (भाषा)।

महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी महेश शेलके की हत्या मामले में बुधवार को एक महिला समेत 04 लोगों को गिरफ्तार किया गया। महेश शेलके की एक दिन पहले पेट्रोल पंप पर निरीक्षण के दौरान चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपियों की पहचान श्रवण बाबुडे, राहुल धायजे, उमेश पांडवीर और लता पांडवीर के रूप में हुई है। उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। पुलिस ने इंडियन ऑयल के एक वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या, गैरकानूनी रूप से एकत्र होने, दंगा करने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

नयी दिल्ली, (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर पहुंचे और शासन प्रमुख के रूप में अपने 25 वर्ष पूरे होने पर उनका आशीर्वाद लिया।

मोदी सात अक्टूबर 2001 से लगातार प्रशासन के प्रमुख के पद पर रहे हैं। वह पहले, तीन कार्यकाल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इसके बाद लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बने। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर यहां आडवाणी के आवास पर गए थे। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आडवाणी जी से उनके आवास पर मुलाकात की

चुनाव आयोग पर लगे गंभीर आरोपों के बाद मोदी सरकार को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा ले लेना चाहिये - छैलबिहारी अग्रवाल

मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के नागरिकों के उचित दस्तावेजों को स्वीकार किया जाए..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया के विदर्भवादी नेता, राष्ट्रचिंतक छैलबिहारी अग्रवाल ने देश में इन दिनों ईवीएम और चुनाव आयुक्त के द्वारा एसआईआर में धांधली करते हुए वोट चोरी के आरोप कांग्रेस द्वारा लगातार लगाये जा रहे हैं, तथा पुरे देश में राहुल गांधी समेत विपक्षी पार्टियों हमलावर है और गंभीर आरोप लगा रही है। विशेष यह है कि विपक्ष के आरोपों के साथ ही चुनाव आयुक्त

ज्ञानेश कुमार पर उनके ही सह चुनाव आयुक्तों ने भी मनमानी के आरोप लगाए हैं, इस स्थिति में चुनाव आयुक्त पर जनता का विश्वास कमजोर तो हो ही रहा है, साथ ही भाजपा सरकार पर भी आरोप लगना लोकतंत्र के लिये भी घातक है, इस स्थिति में मोदी सरकार को तुरंत ही चुनाव आयुक्त का इस्तीफा ले लेना चाहिये तथा हर हाल में देश में चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष हो, इसके प्रयास किये जाने चाहिये। छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में महाराष्ट्र में भी मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) शुरू है, तथा चुनाव आयोग के दिशा निर्देशन में लगातार मतदाताओं की उचित मौजूदगी की जांच की जा रही है, लेकिन देखने में आ रहा है कि इस

प्रक्रिया में अनेक मतदाताओं के वोट काटने का भी काम किया जा रहा है। मतदाताओं के पास आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी नकारा जा रहा है, तथा जिन परिवारों में बहुएं अन्य राज्यों की पूर्व से निवासी रही हैं, उनके स्कूल सर्टिफिकेट आदि दस्तावेजों की मांग की जा रही है, तथा ऐसा करना मतदाताओं को परेशान करने जैसा है, इसलिये उचित दस्तावेज जो कि भारत सरकार द्वारा ही बनाये गए हों, किसी एक दस्तावेज के होने पर भी मतदाता की मौजूदगी को स्वीकार किया जाना चाहिये।

हर काम के लिये अलग प्रमाण? यह किस तरह की व्यवस्थाएं है..

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि भारत में यह किस तरह की व्यवस्थाएं हैं। देश के अलग अलग राज्यों में अलग अलग विभागों के काम करने के अलग अलग तरीके हैं। व्यक्ति की पहचान के लिये आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म प्रमाणपत्र, स्कूल की टी.सी. और स्कूल कॉलेज के सर्टिफिकेट और मूल निवासी प्रमाणपत्र व राशन कार्ड आदि अनेक दस्तावेजों में से मतदाता सूची की जांच के दौरान यदि एक भी दस्तावेज नागरिक के पास हों तो उसे भारत के नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिये, क्योंकि यह सभी दस्तावेज या प्रमाण पत्र भारत सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा ही विभिन्न अवसरों पर मतदाता को दिये गए हैं, और यदि यह सभी दस्तावेज स्वीकार नहीं किये जाते हैं तो इससे सरकार के चरित्र और प्रक्रियाओं पर ऊंगली उठना और सवाल खड़े किये जाने भी स्वाभाविक है। छैलबिहारी

पगड़ी रस्म

स्व. श्रीमती मीरा वाधवानी

जन्म तिथि - 04.10.1937 पुण्य तिथि - 06.10.2026

हमारी पूज्यनीय माताजी की पुण्य स्मृति में पगड़ी रस्म का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक

08 अक्टूबर

स्थान

सिंधु भवन, बालाघाट

समय

दोपहर 1.30 बजे

निवेदक

जयराम वाधवानी | विजय कुमार वाधवानी

बालाघाट

CMYK

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

2 गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

मान्यता

ऑटो पार्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS, मनीष वर्मा मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में शहर कांग्रेस के नेतृत्व में बालाघाट में कांग्रेस ने पीएम मोदी का पुतला दहन कर लगाये मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी के नारे..

लोकतंत्र और संविधान की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी - बोले श्याम पंजवानी

जगप्रेरणा बालाघाट। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, के.सी. वेणुगोपाल सहित सैकड़ों कांग्रेसियों की धरना आंदोलन के उपरांत आंदोलन को कुचलते हुए मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ दबाव बनाते हुए गिरफ्तारी की गई, जिसके विरोध में बुधवार 07 अक्टूबर को बालाघाट शहर मुख्यालय में कांग्रेस

कार्यकर्ताओं ने भारी नाराजगी व्यक्त करते हुए जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कांग्रेस कार्यालय में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला हाथ में लेकर आगे बढ़े और जुलूस के रूप में हनुमान चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष लेकर पहुंचने के उपरांत यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' 'राहुल गांधी आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं' सहित अनेक नारे लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।

बोले श्याम पंजवानी..

इस दौरान शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के सांसद लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का समय मांग रहे थे, लेकिन उन्हें मिलने तक का अवसर नहीं दिया गया। श्याम पंजवानी ने कहा कि राहुल गांधी कोई व्यक्तिगत सवाल लेकर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों मतदाताओं के अधिकार और उनके वोट



की सुरक्षा का सवाल लेकर चुनाव आयोग के सामने खड़े हैं। संविधान ने विपक्ष को यह अधिकार दिया है कि वह जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सवाल पूछे, लेकिन सवालों का जवाब देने के बजाय राहुल गांधी की आवाज दबाने के लिए दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया और जिस तरह उनकी गिरफ्तारी की गई, वह लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाने और फॉर्म-6 में हुए बदलाव को लेकर राहुल गांधी लगातार सवाल उठा रहे हैं। श्याम पंजवानी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह स्पष्ट किया गया कि फॉर्म-6 में हुए परिवर्तनों को लेकर न्यायालय ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को देना चाहिए।

बोले भीम फुलसुधे..

कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भीम फुलसुधे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की लड़ाई देश के संविधान, लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए है। यदि जनता के वोट के अधिकार के साथ खिलवाड़ हुआ तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे। श्री फुलसुधे ने कांग्रेस की तीन प्रमुख मांगें दोहराते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, एसआईआर के दौरान काटे गए पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल पुनः जोड़े जाएं और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बैलेट पेपर से चुनाव करने की मांग पर गंभीरता से विचार किया जाए।

बोले अनुप सिंह बैस..

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अनुप सिंह बैस ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने कारनामों और अपनी तानाशाही से अंग्रेजों की याद दिलाने लगी है। जब देश में अंग्रेज थे तो प्रदर्शन करने पर गिरफ्तारी, लाठी चार्ज किया जाता था। देश में जब कांग्रेस की सरकार आई तो लोकतंत्र की स्थापना के साथ ही कांग्रेस ने विपक्ष के आंदोलनों को भी सम्मान दिया, लेकिन अब अंग्रेजों की नीति पर चलने वाली भाजपा जाति धर्म के नाम पर लड़ने का काम कर रही है, और भ्रष्टाचार की सरकार चलाते हुए वोट चोरी कर लोकतंत्र की हत्या भी कर रही है। इस स्थिति में अंग्रेजों को भगाने वाली कांग्रेस ही एक बार फिर अपनी जवाबदारी निभायेगी, और भाजपा के अंग्रेजी शासन के खिलाफ निरंतर संघर्ष करेंगे।

यह रहे उपस्थित..

कांग्रेस की ओर से किये गए पुतला दहन के दौरान प्रमुख रूप से भीम फुलसुधे, अनुप सिंह बैस, श्याम पंजवानी, वहीद अल्ला खा, जीतू बर्वे, शिवम शर्मा, शिवम विश्वकर्मा, शानू राय, रामसिंह भाटिया, डॉ. अमर बिसेन, एडवोकेट निखिल गौतम, डॉ. मुकेश वरकडे, डॉ. दुर्गा वरकडे, श्रीकृष्ण डिंगरू, नीतू कौशल, मधु चौकसे, श्रीमती पूजा, प्रतीक जैन, सीमा सिंह, पंकज बौद्ध, ऋषभ सहारे, पुष्पलता कुडवार, शीला नगपुरे, संतोष बाहैश्वर, रिजवान भाई, साजिद खान, राजू बांस सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बालाघाट में फिर एक बार पटवारियों ने रैली एवं प्रदर्शन कर की दंडात्मक कार्रवाई वापस लेने मांग..



8 अक्टूबर से सामूहिक अवकाश की दी चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट। बालाघाट जिला मुख्यालय में 07 अक्टूबर दिन बुधवार को पटवारी संघ बालाघाट ने राजस्व विभाग में कार्यरत पटवारियों के विरुद्ध की जा रही सेवा समाप्ति, निलंबन एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर रैली निकालकर नारेबाजी कर विरोध जताया और

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर स्वाभिव्यक्ति अधिकार अभिलेख निष्पादन में दंडात्मक कार्रवाई को वापस लेने का अनुरोध किया है। ज्ञापन सौंपते हुए पटवारियों ने बताया कि देवास जिले में स्वाभिव्यक्ति अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 सहित अन्य कार्यों को आधार बनाकर पटवारी साथियों की सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जा रही है। वहीं प्रदेश के अन्य



जिलों में भी पटवारियों के विरुद्ध निलंबन एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई किए जाने का उल्लेख किया गया है। पटवारी संघ का कहना है कि स्वाभिव्यक्ति योजना के क्रियान्वयन से संबंधित विधिक एवं व्यवहारिक समस्याओं से शासन को पूर्व में ही अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद पटवारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने से संघ में असंतोष है। संघ ने प्रांतीय संगठन के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि यदि 7 अक्टूबर 2026 की शाम 5 बजे तक सेवा समाप्ति, निलंबन एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई वापस नहीं ली जाती है, तो पटवारी संघ 8 एवं 9 अक्टूबर को सामूहिक अवकाश पर जाएगा।

इस दौरान प्रदेशभर का पटवारी संघर्ष ऑनलाइन राजस्व कार्यों से वरित रहना तथा शासकीय व्हाट्सएप समूहों से भी बाहर रहने की बात कही गई है। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि भविष्य में प्रदेश के किसी भी जिले में पटवारियों के विरुद्ध इसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई किए जाने पर पटवारी बिना पूर्व सूचना के टोटल शटडाउन एवं अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लेने के लिए बाध्य होंगे। पटवारी संघ ने प्रशासन से देवास सहित अन्य जिलों में की गई सेवा समाप्ति, निलंबन एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाइयों को तत्काल वापस लेने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

भावांतर योजना में सोयाबीन खरीदी के लिए 17 अक्टूबर तक किसानों का पंजीयन

जगप्रेरणा बालाघाट। भारत सरकार की ग्राइस डिफिंसीट पेमेंट्स स्क्रीम (भावांतर योजना) के अंतर्गत खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में सोयाबीन की खरीदी के लिए 17 अक्टूबर 2026 तक किसानों का पंजीयन किया जाएगा। इस योजना में 03 अक्टूबर से किसानों का पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम द्वारा भावांतर योजना में सोयाबीन की खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन के लिए जिले में 18 केंद्र निर्धारित किये गए हैं। भावांतर योजना में सोयाबीन खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन के लिए बिरसा विकासखंड में सेवा सहकारी समिति दमोह, सालेदेकरी, मंडई, बिरसा, मानेगांव में पंजीयन केंद्र बनाया गया है। इसी प्रकार बैहर विकासखंड में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बैहर, गढी एवं भण्डेरी, परसवाड़ा विकासखंड में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था ऊकवा, लांजी विकासखंड में सेवा सहकारी समिति घोटी, पालडोंगरी एवं देवरबेली, किरनापुर विकासखंड में सेवा सहकारी समिति बडागांव, लालबरी विकासखंड में सेवा सहकारी समिति मिरगांव, कटगी विकासखंड में सेवा सहकारी समिति बनेरा, खैरलांजी विकासखंड में सेवा सहकारी समिति खैरलांजी, वारासिवनी विकासखंड में सेवा सहकारी समिति वारासिवनी एवं बालाघाट विकासखंड में सेवा सहकारी समिति पायली-बालाघाट में पंजीयन केंद्र बनाया गया है। सोयाबीन उत्पादक किसान इन केंद्रों पर आगामी 17 अक्टूबर 2026 तक अपना पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद स्तरीय कार्यालय एवं तहसील स्तरीय सुविधा केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है। किसान एमपी ऑनलाइन क्रियोस्क कॉमन सर्विस सेंटर एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे में शुल्क जमा कर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व में उपचाराधीन मादा बाघ की हुई मौत..

जगप्रेरणा बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के मुकुंजी परिक्षेत्र स्थित वन्य प्राणी उपचार केंद्र में उपचाराधीन एक मादा बाघ शावक की 6 अक्टूबर को मृत्यु हो गई। बाघ शावक को करीब डेढ़ माह पहले वन क्षेत्र में अकेले और अत्यंत कमजोर अवस्था में देखा गया था। इसके बाद वन विभाग द्वारा उसकी जीवन रक्षा एवं स्वास्थ्य सुधार के लिए लगातार उपचार किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, गश्ती दल ने 26 अगस्त को मादा बाघ शावक को वन क्षेत्र में अकेले और कमजोर शारीरिक अवस्था में पाया था। इसके बाद उसे उपचार केंद्र में लाकर 27 अगस्त से वन्य प्राणी चिकित्सा विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकीय देखरेख के बावजूद 6 अक्टूबर को उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया के प्रावधानों के अनुसार 7 अक्टूबर को मादा बाघ का शव परीक्षण किया गया। कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणी चिकित्सा अधिकारी तथा बैहर के पशु चिकित्सक ने संयुक्त रूप से पोस्टमार्टम किया। शव परीक्षण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत शवदाह की कार्रवाई भी संपन्न की गई। शव परीक्षण के दौरान आवश्यक शारीरिक अंगों एवं जैविक नमूनों को पेंफेसिक एवं पैथोलॉजिकल जांच के लिए जबलपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही बाघ की मृत्यु के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शव परीक्षण एवं शवदाह की कार्रवाई के दौरान कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक, उपसंचालक (कोर), सहायक संचालक (हलोन), मुकुंजी परिक्षेत्र अधिकारी, हज्जट प्रतिनिधि श्री रंजीत सत्रसुलय, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर

लोक सुनवाई की आम सूचना

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आँकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित प्रावधानों के अन्तर्गत सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि, **M/s Maniracle Minerals and Metal Private Limited to establish a Manganese Ore Beneficiation Plant of 75 TPH installed Capacity : 5,00,000 TPA (design case : 1,650 TPD, 22 h/day, 30, Area: 4.047 ha, Khasra Nos. 143/4/2 and 143/4/1 at Village - Gurra Gusai, Tehsil Tirodi, District Balaghat { M.P. }** हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आँकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित, का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर बालाघाट (2) कार्यालय जिला पंचायत, बालाघाट, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उधोग केन्द्र बालाघाट, (4) ग्राम पंचायत सादाबोड़ी (गर्ग गुराई) तहसील तिरोड़ी, जिला बालाघाट (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455 / 456 विजयनगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट **www.mppcb.nic.in** पर भी देखा जा सकता है। अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त परियोजना के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 11.11.2026 दिन-बुधवार को दोपहर 12.00 बजे से परियोजना स्थल ग्राम- गर्ग गुराई तहसील तिरोड़ी, जिला बालाघाट (म.प्र.) में आयोजित की जायेगी, जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी, जबलपुर

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में 25 से 29 अक्टूबर तक श्री हनुमंत कथा का आयोजन.

..मध्य नवरात्रि मां दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता का भी किया गया आयोजन.. श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेन्द्र शास्त्री के कृपा पात्र आचार्य रोहित रिछरिया सुनाएंगे हनुमंत कथा..

जगप्रेरणा बालाघाट। जिले की माँयल नगरी भरवेली के समीप ग्राम पंचायत हीरापुर में श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर ट्रस्ट द्वारा हनुमान जी महाराज की विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट प्रतिमा की स्थापना व भव्य मंदिर निर्माण के महासंकल्प हेतु आगामी दिनों में धार्मिक एवं सामाजिक चेतना से जुड़े विभिन्न भव्य आयोजन किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक श्री हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर के अध्यक्ष किरण साई त्रिवेदी ने 7 अक्टूबर बुधवार को स्थानीय सिकंद हलूस पत्रकारों से चर्चा में बताया कि हनुमान कथा का वाचन हर दिन दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक श्री बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेन्द्र शास्त्री के कृपा पात्र आचार्य रोहित रिछरिया जी द्वारा किया जाएगा। श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ अवसर पर 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। श्री त्रिवेदी ने बताया कि आयोजन समिति द्वारा भव्य नवरात्रि मां दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। इसमें



प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए 101 रूपए शुल्क के साथ 13 अक्टूबर तक पंजीयन कर सकते हैं।

इस दौरान किरण भाई त्रिवेदी ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य सनातन संस्कृति के संरक्षण, धार्मिक चेतना के विस्तार, भक्ति एवं सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने व जिले की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाने का है। उन्होंने कार्यक्रम के बारे में बताया कि 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा, तत्पश्चात धार्मिक संगोष्ठी, दोपहर 1 बजे से मां दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता के विजेता दुर्गा समितियों को पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह एवं शाम 7 बजे सुंदरकाण्ड, रात में शरद पूर्णिमा के विशेष अमृत खीर प्रसाद वितरण किया जाएगा। 26 से 29 अक्टूबर तक हर दिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक श्री हनुमंत कथा का वाचन एवं कथा के बाद हर दिन महाप्रसाद वितरण व श्री हनुमान अंश मूवी का ट्रसपारण किया जाएगा। इस दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारी अनिल बिसेन, नरेन्द्र जी महाराज, अमरसिंह धानेश्वर मंदिर के पुजारी, डब्लुलाल नागेश्वर, आशीष साहू, संतोष अर्जुनवार सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रतियोगिता अलग-अलग श्रेणियों में

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर ट्रस्ट द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर बालाघाट जिले के समस्त दुर्गा पंडालों के लिए भव्य दुर्गा पंडाल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले भर में विराजित जगत जननी मां दुर्गा के भव्य पंडालों, धार्मिक वातावरण, रचनात्मकता एवं श्रद्धा-भक्ति की सुंदरता को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग श्रेणियां रखी गई हैं। इसमें मां दुर्गा की प्रतिमा की भव्यता, स्वरूप, कलात्मकता एवं धार्मिक भाव के आधार पर मूल्यांकन। पंडाल की साज-सज्जा, रचनात्मकता, विषय-वस्तु एवं सुंदरता, अनुशासन एवं धार्मिक वातावरण, स्वच्छता, अनुशासन, व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए सकारात्मक एवं भक्तिमय धार्मिक वातावरण के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र की अलग-अलग श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

5

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live

देश विदेश

भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

मप्र में चीतों को मिला तीसरा ठिकाना, वीडੀटीआर में छोड़े गए दो चीते..

सागर (मप्र), (भाषा)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को सागर जिले के वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य (वीडीटीआर) में दो चीतों को छोड़ा। इसके साथ ही राज्य में चीता संरक्षण परियोजना के तहत चीतों के लिए तीसरा ठिकाना तैयार हो गया।



यादव ने इसे मध्यप्रदेश के वन्यजीवों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि चीतों के नाम 'व्योम' और 'नीरा' हैं। रथोपुर के कृ्णो राष्ट्रीय उद्यान और मंदसौर के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य के बाद बुंदेलखंड में स्थित वीडीटीआर मध्यप्रदेश में चीतों का तीसरा आवास होगा।

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के समापन दिवस पर चीतों को छोड़े जाने के अवसर पर यादव ने 'गिद्ध जनसंख्या आकलन-2026' रिपोर्ट और बुंदेलखंडी में लिखी पुस्तक 'वीरांगना दुर्गावती बाघ अभयारण्य' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीतों के लिए अनुकूल आवास उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह नया घर अपनी विशिष्ट विशेषताओं वाला है और वन्यजीवों की देखभाल के साथ सरकार की जिम्मेदारी ग्रामीणों की चिंता करना भी है।

यादव ने कहा कि चालू वर्ष में मध्यप्रदेश के अभयारण्यों से करीब 80 करोड़ रुपये की आय हुई, जिसमें से 20 करोड़ रुपये आसपास के गांवों के निवासियों को वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि वर्षों से अभयारण्यों के आसपास रहने का कारण यह उनका अधिकार है।

उन्होंने कहा कि सरकार होमस्टे सेवाओं को भी बढ़ावा दे रही है। वीडीटीआर के बपर क्षेत्र में

व्योम और नीरा हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एशिया में विलुप्त हो चुकी प्रजाति के पुनरुद्धार का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। चीतों की संख्या आठ से बढ़कर 60 होने से पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जहां चीतों को छोड़ा गया है, वहां पहले से ही बाघ मौजूद हैं।

वीडीटीआर, जिसे नौरादेही बाघ अभयारण्य भी कहा जाता है, मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा बाघ आवास है। यह सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में करीब 2,339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है।

अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 1997 में स्थापित इस क्षेत्र की नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य के साथ एकीकृत करने के बाद 20 सितंबर 2023 को बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।

यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय और भालू समेत विभिन्न वन्यजीव पाए जाते हैं। यह संकटग्रस्त भारतीय गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों ने बताया कि चीतों के संरक्षण और उनके अनुकूलन के लिए करीब 439 हेक्टेयर क्षेत्र में विशेष इंतजाम किए गए हैं। आधुनिक बाड़ों और अन्य सुविधाओं से युक्त सुरक्षित आवास तैयार किया गया है।

वन विभाग ने चीतों की सुरक्षा, नियमित निगरानी और स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था की है। अन्य वन्यजीवों के लिए भी सुरक्षित और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, चीतों की मौजूदगी से सागर और बुंदेलखंड में वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

श्रीलंका की पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे समेत दो अन्य लोग भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार..

कोलंबो, (भाषा)।

श्रीलंका की पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे को बुधवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। उन पर एक करोड़ श्रीलंकाई रुपये की सरकारी धनराशि के कथित दुरुपयोग का आरोप है। इसी दौरान, देश की भ्रष्टाचार-रोधी संस्था ने अलग-अलग मामलों में पूर्व विदेश मंत्री और स्टेट बैंक के पूर्व प्रमुख को भी गिरफ्तार किया।

रिश्तत या भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबीओसी) ने 73 वर्षीय शिरंथि राजपक्षे को गिरफ्तार किया। वह पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी हैं। उनकी गिरफ्तारी उनके गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सिरिलिया सविया' और सरकारी स्वामित्व वाले नेशनल सेविंस बैंक से लिए गए धन से जुड़े आरोपों के सिलसिले में की गई है। वह इस द्वीपीय देश के इतिहास में भ्रष्टाचार की जांच के सिलसिले में हिरासत में ली जाने वाली पहली पूर्व प्रथम महिला हैं।

जांचकर्ताओं के अनुसार, एक करोड़ श्रीलंकाई रुपये (लगभग 30,251 अमेरिकी डॉलर) की राशि 'सिरिलिया सविया' ने कोलंबो के लेडी रिजवे अस्पताल फॉर चिल्ड्रन के लिए सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध कराने के नाम पर जुटाई थी।

हालांकि, मशीन उपलब्ध नहीं कराई गई और धनराशि का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया। सीआईएबीओसी के अधिकारियों द्वारा उनका बयान दर्ज किए जाने के बाद राजपक्षे को किरूलापोन स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद उन्हें कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 13 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी गिरफ्तारी श्रीलंका लौटने के दो दिन बाद हुई। वह विदेश में इलाज कराने के लिए गई थीं। उनके वकीलों ने 'सिरिलिया सविया' के वित्तीय मामलों की जांच के संबंध में उनकी गिरफ्तारी रोकने के लिए अग्रिम जमानत की अर्जी भी दाखिल की थी।

यह गिरफ्तारी प्रभावशाली राजपक्षे परिवार के सदस्यों से जुड़े भ्रष्टाचार-रोधी मामलों की जांच में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह परिवार कई वर्षों तक श्रीलंका की राजनीति में प्रभावशाली रहा है।

महिंदा राजपक्षे ने 2005 से 2015 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, जबकि उनके छोटे भाई गोटाबाया राजपक्षे को 2022 में श्रीलंका के आर्थिक संकट के बीच बड़े पैमाने पर विरोध

प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

बुधवार को एक अन्य चर्चित गिरफ्तारी में, रिश्तत या भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाले आयोग ने पूर्व विदेश मंत्री रोहिता बोगोल्लागामा को निवेश बोर्ड (बीओआई) के धन के कथित दुरुपयोग के मामले में हिरासत में लिया।

यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि 2006 में निवेश प्रोत्साहन मंत्री रहे बोगोल्लागामा ने लंदन में आयोजित एक निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए कोषागार द्वारा स्वीकृत राशि से लगभग 15 लाख श्रीलंकाई रुपये (लगभग 4,538 अमेरिकी डॉलर) अधिक मंजूर करने का निर्देश निवेश बोर्ड के अध्यक्ष को दिया था। उन्होंने 2024 के अंत तक लंदन में श्रीलंका के उच्चायुक्त के रूप में कार्य किया था।

यह मामला 2015 में दर्ज किया गया था। इसके बाद बोगोल्लागामा अदालत के समक्ष पेश नहीं हुए, जिसके बाद उनकी अनुपस्थिति में कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया गया और उनकी गिरफ्तारी के लिए खुला वारंट जारी किया गया। भ्रष्टाचार-रोधी आयोग ने बुधवार को बयान देने के लिए आयोग के समक्ष पेश होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

आईटीएस अधिकारी की 2023 में हिरासत में हुई मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

अहमदाबाद, (भाषा)।

गुजरात उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से रिश्तत के मामले में गिरफ्तार किए गए भारतीय व्यापार सेवा (आईटीएस) के एक अधिकारी की 2023 में हिरासत में हुई मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और डीआईजी (सीआईडी, अपराध) की देखरेख में घटना की जांच करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति एमके ठक्कर की पीठ ने आईटीएस के उस अधिकारी की हिरासत में हुई मौत से जुड़े मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया, जो रिश्तत के मामले में गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय एजेंसी की ओर से 'पोस्ट-ट्रेप' प्रक्रिया के दौरान अपने चैंबर की हड़्की से कथित तौर पर कूद गया था।

'पोस्ट-ट्रेप' प्रक्रिया से आशय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिश्तत या भ्रष्टाचार

के मामलों में जाल बिछाने के बाद की जाने वाली कानूनी और वैज्ञानिक कार्रवाई से है। उच्च न्यायालय ने हाल में दिए आदेश में कहा, "मामले की पूरी तथ्यात्मक पृष्ठभूमि और ऊपर बताए गए सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए इस अदालत की राय है कि न्याय के हित में यह उचित होगा कि किसी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाए और आगे की जांच किसी स्वतंत्र अधिकारी को सौंपी जाए।" आदेश में कहा गया है कि मामले की जांच गुजरात के अपराध जांच विभाग (सीईडी) के डीआईजी (अपराध) की देखरेख में की जाए। भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किए गए जावरी मल बिश्नोई अपनी मौत के समय राजकोट में विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) में संयुक्त महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे। बिश्नोई की पत्नी सुमन की ओर से

दायर याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय घटना को "दुर्घटनाव्यवह हुई मौत" मानकर जांच की, जो उच्चतम न्यायालय की ओर से अलग-अलग फैसलों में दिए गए निर्देशों का उल्लंघन है। बिश्नोई पर आरोप था कि उन्होंने शिकायतकर्ता को सीमा शुल्क बचाने के लिए जरूरी लाइसेंस दिलाने के अपने आधिकारिक काम के बदले उससे नौ लाख रुपये की रिश्तत की मांग की थी।

सीबीआई ने 24 मार्च 2023 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-7 (आधिकारिक काम के लिए रिश्तत लेने के वास्ते लोक सेवेक को सजा) के तहत बिश्नोई के खिलाफप्राथमिकी दर्ज की थी। उसने दावा किया था कि रिश्तत की कथित रकम का कुछ हिस्सा बिश्नोई के कार्यालय की दराज से बग़ामद किया गया था।

5

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live

देश विदेश

भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

डर, हिंसा के बारे में बात करने वाली महिला की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए: न्यायमूर्ति नाथ..

नई दिल्ली, (भाषा)।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने बुधवार को कहा कि डर, हिंसा या परेशानी के बारे में बात करने वाली महिला की आवाज को न तो नजरअंदाज किया जाना चाहिए और न ही इसे सामान्य माना जाना चाहिए।



उन्हें हमारे संविधान से पूरी सुरक्षा और अधिकार मिले हैं। यह सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनकी रोजमर्रा की ज़िंदगी में यह वादा लागू हो।"=

उन्होंने कहा कि अदालत में न्यायाधीश हर दिन अलग-अलग सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करते हुए देखते हैं; ये महिलाएं बहुत पढ़ी-लिखी, आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सामाजिक रूप से अच्छी स्थिति

वाली हो सकती हैं, या फिर उनकी शिक्षा बहुत कम हो सकती है और उनके पास जीवन-यापन का कोई स्वतंत्र जरिया नहीं हो सकता है।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, "इन अंतरों के बावजूद समझौता करने, चुप रहने और शादी को बचाने का दबाव बना रह सकता है। और अक्सर यह दबाव महिला के अपने परिवार की ओर से ही आता है।"=

उन्होंने कहा, "हो सकता है कि महिला से जो हो रहा है, उसे बर्दाश्त करने के लिए कहा जाए, क्योंकि शादी बचानी है, बच्चों को तकलीफहोनी या परिवार की इज्जत दांव पर लगी है।"=

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि इस सोच पर सवाल उठाना जरूरी है कि शादी को बाहर से ठीक-ठाक बनाए रखना, उसके अंदर हो रही असल चीजों का विरोध करने से ज्यादा जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जब कोई महिला हिंसा के बारे में बात करे, तो उसके सबसे करीबी लोगों की पहली प्रतिक्रिया यह होनी चाहिए कि वे उसकी स्थिति को समझें और उसे सहयोग एवं सुरक्षा दें, न कि उससे पूछें कि वह इसके साथ कैसे समझौता कर सकती है।

सीमापुरी में इमारत ढही; एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत, कम से कम आठ घायल..

नई दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली के सीमापुरी इलाके में बुधवार को चार मंजिला एक इमारत के ढहने से डेढ़ साल के बच्चे और गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन-बर्षीय एक बच्चे समेत आठ अन्य घायल हैं।



अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि मलबे से अबतक 11 लोगों को निकाला गया है और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इनमें से एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हैं और उनका इलाज किया जा रहा है।

आधिकारियों को संदेह है कि मंगलवार शाम को उत्तराखंड में आए भूकंप के झटकों के बाद इमारत में आई दरारें इस घटना का कारण रही होंगी। स्थानीय लोगों ने कहा कि वे मलबे में फंसे लोगों की आवाज सुन सकते हैं।

इमारत ढहने का वास्तविक कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अनुसार, पड़ोसियों ने दावा किया है कि भूकंप के बाद इमारत में दरारें आ गईं और इमारत का मालिक इसे खाली करने की प्रक्रिया में था। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने कहा कि घटना के संबंध में अपराध 3.30 बजे सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियों के साथ एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), एमसीडी और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूसआईबी) की टीमों ने खोज और बचाव अभियान शुरू किया।

पुलिस के मुताबिक, चार मंजिला इमारत लगभग 25 वर्ग गज के भूखंड पर बनाई गई थी। हालांकि, एमसीडी ने बताया कि यह ईदगाह

मछली मंडी के पास डीयूसआईबी क्षेत्र में लगभग 22 वर्ग गज में बनी तीन मंजिला इमारत थी। यह झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र में आती है।

डीसीपी मीणा ने बताया कि तीन मृतकों में पहचान सिर्फ़ चार महीने की गर्भवती 21 वर्षीय गुलशपा की हुई है जबकि 12 वर्षीय एक लड़की और एक बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि घायलों में मोमिन मिर्जा (56), अबदान (3), अब्दुल रहमान (28), देवरूदीन (28), सलमा (50), छोटे (34), सकीना (35) और समद (30) हैं। अधिकारी ने बताया कि बचाव और राहत कार्य जारी है तथा अधिक जानकारी का पता लगाया जा रहा है।

इस बीच सीएमओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखने, बचाव कार्य में तेजी लाने तथा प्रभावित लोगों को हर जरूरी सहायता और देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।"=

इसमें कहा गया है कि मलबे में फंसे लोगों को सकुशल निकालने और घायलों को जल्द से जल्द चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

वहीं, एमसीडी ने कहा कि इमारत लगभग 20-25 साल पुरानी थी और घटना के समय इसमें लोग रह रहे थे। निगम ने कहा, "इमारत के अलावा, बगल की एक इमारत की दीवारें गिर गईं, जबकि घटना के प्रभाव से पास की एक मस्जिद की चारदीवारी का एक हिस्सा भी ढह

नीट विवाद के बाद एनटीए ने चार दिवसीय ‘चिंतन शिविर’ में परीक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर किया मंथन

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा संचालन, व्यवस्था को मजबूत करने, उम्मीदवारों के अनुभव में सुधार और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के जरिये विश्वास कायम करने जैसे मुद्दों पर चार दिवसीय ‘‘चिंतन शिविर’’ में मंथन किया।

एनटीए ने नीट प्रश्नपत्र लोक और अन्य कथित अनियमितताओं को लेकर हुए देशव्यापी प्रदर्शनों तथा तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपनी परीक्षा व्यवस्था में सुधार की कवायद शुरू की है।

एजेंसी ने हाल ही में अपने कामकाज को मिंटो रोड स्थित नए कार्यालय में स्थानांतरित किया है। गोपनीय क्षेत्रों में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अब वहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती की गई है।

एनटीए ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नये परिसर में आयोजित चिंतन शिविर चार दिन तक चला और इसमें आत्ममंथन, संवाद तथा आगे की दिशा तय करने पर चर्चा हुई। बैठक में तीन प्राथमिकताओं ईमानदारी, समावेशन और नवाचार पर विशेष जोर रहा।"=

+ CMV K



2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत का विजन ‘राइजिंग टुगेदर’, पेश होगी दावेदारी की पहली प्रस्तुति..

नई दिल्ली, (भाषा)।
खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा ने बुधवार को घोषणा की कि 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी ‘राइजिंग टुगेदर’ (साथ मिलकर आगे बढ़ना)

के विजन पर आधारित होगी और देश नवंबर के अंत में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के सामने अपनी दावेदारी की पहली प्रस्तुति देगा। आईओसी ने मंगलवार को कहा था कि भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये समेत सात देशों ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी में दिलचस्पी जताई है इसलिए इन देशों को अगले महीने आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग के सामने अपने खेलों से जुड़े प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है। आईओए की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मांडविया ने कहा, “2036 के लिए भारत की महत्वाकांक्षा एक सफल विचार पर आधारित है कि खेल हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकते हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी से लाखों युवा भारतीय खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे, स्वस्थ और सक्रिय समुदाय मजबूत होंगे तथा शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में युवाओं के लिए नए



अवसर पैदा होंगे।” अहमदाबाद ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत का पसंदीदा का शहर है। भारत में अब तक ओलंपिक का आयोजन नहीं हुआ है। भारत ने 2024 में खेलों की मेजबानी के लिए अपना दिलचस्पी पत्र (एक्सप्रेसन ऑफ इंटेरेस्ट) आईओसी को सौंपा था। उषा ने कहा कि आईओए भारत की ओलंपिक मेजबानी की आकांक्षाओं को आईओसी की ओर से मिली मान्यता से बेहद सम्मानित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, “हमें भविष्य के खेलों के संभावित मेजबानों के एक असाधारण समूह का हिस्सा होने पर गर्व है।” उषा ने कहा, “हमारे लिए ‘राइजिंग टुगेदर’ महज एक नारा नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और विविधता को एक साझा ओलंपिक सपने के पीछे एकजुट करने की मजबूत प्रतिबद्धता है।” उन्होंने कहा, “2036 के लिए विजन (परिकल्पना) तैयार करते समय भारत ऐसे खेलों की मेजबानी करना चाहता है जो एक युवा, गतिशील और उभरते भारत के आत्मविश्वास को दर्शाएं। साथ ही, यह ओलंपिक और पैरालंपिक

आंदोलनों की नई पीढ़ियों, नए समुदायों और दुनिया भर में नए क्षितिज तक पहुंचने की महत्वाकांक्षा में योगदान दे।” उषा ने कहा, “हम आईओसी के साथ संवाद जारी रखने और नवंबर के अंत में पहली बार आयोग के सामने अपनी महत्वाकांक्षा पेश करने को लेकर उत्साहित हैं।” आईओसी ने कहा कि दावेदार देशों की परियोजनाओं का आकलन देशों तकनीकी पहलुओं के आधार पर किया जाएगा। इनमें आयोजन स्थलों की मास्टर प्लानिंग, खिलाड़ियों का अनुभव, वित्त पोषण की रणनीति, राजनीतिक और जनसमर्थन, खेलों के आयोजन की क्षमता तथा मेजबान शहरों और समुदायों के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने की योजना शामिल हैं। हंगरी, कतर, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका भी 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार की दौड़ में शामिल अन्य दावेदार हैं। नवंबर में होने वाली प्रस्तुतियों के बाद चयन प्रक्रिया का अगला चरण ‘टार्गेटड डायलॉग’ की जगह ‘स्ट्रैटेजिक डायलॉग’ होगा जिसे संशोधित मेजबान चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इसके बाद अंतिम चरण 2028 में शुरू होगा। आईओए ने कहा कि ‘राइजिंग टुगेदर’ इस विश्वास को दर्शाता है कि 2036 खेल के माध्यम से भारत के परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है। आईओए ने कहा, “भारत के लिए ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी एक ऐसा ऐतिहासिक अवसर होगा जो खेलों को देश के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।”

पंत दिल्ली कैपिटल्स के मध्यक्रम में पूरी तरह से फिट होते हैं: गांगुली

नई दिल्ली, (भाषा)।
दिल्ली कैपिटल्स के नवनियुक्त मुख्य कोच सौरव गांगुली को भरोसा है कि खराब दौर से जूझ रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के मध्यक्रम में ‘बिल्कुल फिट’ बैठेंगे और अगले आईपीएल सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे।



पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 111 मैच खेले और 3,284 रन बनाने के अलावा टीम की कप्तानी भी की। इसके बाद वह 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़ गए थे। सुपर जाइंट्स के साथ उनका कार्यकाल उम्मीद के मुताबिक नहीं रहने के बाद उन्हें कुलदीप यादव से अदला-बदली के जरिए उनकी पुरानी टीम में वापस लाया गया है।

गांगुली ने दिल्ली प्रेन्चाइजी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, “हमें मध्यक्रम के एक बल्लेबाज की जरूरत थी और पंत इसमें बिल्कुल फिट बैठते हैं। वह हमारे साथ थे और उन्होंने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। अगले साल जब वह फिर मैदान पर उतरेंगे तो मुझे लगता है कि वह समय, अवसर और मुकाबलों का इस्तेमाल बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए करेंगे।” पूर्व भारतीय कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ

(कैब) के प्रमुख गांगुली ने कहा, “आप जानते हैं कि उसे दिल्ली के फिरोज शाह कोटला (अरुण जेटली स्टेडियम) में बल्लेबाजी करना पसंद है और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम दिल्ली की जर्सी में पंत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखेंगे।” वर्ष 2022 में जानलेवा सड़क दुर्घटना से उबरने के बाद से पंत खराब फॉर्म के साथ-साथ लगातार चोटों से भी जूझते रहे हैं। गांगुली के लिए भी यह कुछ हद तक घर वापसी जैसा है। दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनका जुड़ाव 2019 में शुरू हुआ था जब उन्होंने प्रेन्चाइजी में सलाहकार के तौर पर काम शुरू किया था। पिछले कुछ वर्षों में 54 वर्षीय गांगुली ने कैपिटल्स से जुड़े ढांचे में कई भूमिकाएं निभाई हैं जिनमें पुरुष और महिला दोनों टीम के क्रिकेट निदेशक का पद शामिल है। दिल्ली कैपिटल्स की दक्षिण अफ्रीकी टीम प्रिटीरिया कैपिटल्स के साथ अपने कोचिंग कार्यकाल की शुरुआत करने वाले गांगुली ने इस

खुद बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर रहे होते। कोई और बल्लेबाजी या गेंदबाजी कर रहा होता है या मैच जीत रहा होता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप उनके साथ तालमेल बैठायें, समझें कि वे क्या चाहते हैं और वे किस तरह बेहतर हो सकते हैं।” पिछले सत्र में छठे स्थान पर रहने वाली दिल्ली कैपिटल्स के बारे में गांगुली ने कहा कि उनकी प्राथमिकता टीम को प्लेऑफमें पहुंचाना है। दिल्ली की टीम केवल एक बार 2020 सत्र में आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। गांगुली ने कहा, “लोकेश राहुल, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत, मिचेल स्टार्क, लुंगी एनगिडी, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टुक्स के साथ यह एक अच्छी टीम है। यह काफी मजबूत टीम है और मुझे उम्मीद है कि हम अपनी क्षमता के मुताबिक खेलेंगे।” गांगुली ने स्वीकार किया कि दिल्ली कैपिटल्स को हाल के वर्षों में ज्यादा सफलता नहीं मिली है और अपने कार्यकाल में वह इस स्थिति को बदलने की कोशिश करेंगे।

ग्रिप में बदलाव और गेंदबाजों पर रणनीतिक दबदबा, श्रेयस के शतक में नायर की भूमिका

मुंबई, (भाषा)।
श्रेयस अय्यर के लिए पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर के साथ उनके घर पर करीब दो घंटे का तकनीकी सत्र बेहद अहम साबित हुआ जिसने उनकी बल्लेबाजी में जरूरी सुधार करने में मदद की और 67 मैच के लंबे इंतजार के बाद पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने की राह तैयार की।

एशियाई खेलों में भारत के स्वर्ण पदक अभियान के दौरान अय्यर ने अपनी तकनीक में

कुछ कमियां महसूस की थीं लेकिन नायर के साथ बिताए समय ने उन्हें दूर करने में मदद की। इसका नतीजा वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को लखनऊ में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में देखने को मिला जहां अय्यर ने 43 गेंद में नाबाद 102 रन की तुफानी पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और छह छक्के शामिल रहे जिससे भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। नायर ने बुधवार को पीटीआई से कहा, “एशियाई खेलों के अंत में वह अपनी तकनीक को लेकर कुछ महसूस कर रहा था। उसे लग रहा था कि शॉट खेलते समय उतनी ताकत पैदा नहीं हो रही है और उसके दिमाग में यह विचार भी था कि वह गेंद को बाउंड्री के पार नहीं भेज पा रहा है।” उन्होंने कहा, “हम लंबे समय से

साथ काम कर रहे हैं इसलिए यह मुख्य रूप से तकनीकी और रणनीतिक चीज थी। हमने उसकी ग्रिप और मूवमेंट पर थोड़ा काम किया। वह बल्लेबाजी में प्रवाह और गति लाने की बात करता है। इसके अलावा कुछ रणनीतिक पहलुओं पर भी काम किया कि वह कुछ खास गेंदबाजों का सामना कैसे कर सकता है।” नायर ने कहा, “इसलिए यह बस कुछ घंटे साथ बैठने और बात करने की बात थी जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शुरुआती मूवमेंट को लेकर वह सहज महसूस करे और गेंद फेंके जाने से पहले उसे गेंद पर प्रहार करने का सही एहसास हो।” बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में अय्यर ने भी नायर के साथ हुई इस बातचीत का जिक्र किया था।

मुश्किल में मैरी कॉम, पूर्व पति ओनलर ने किया मानहानि का केस : रिपोर्ट..

डेस्क जगप्रेरणा।
ओलंपिक मेडलिस्ट मैरी कॉम के पूर्व पति ओनलर कॉम ने बॉक्सर पर मानहानि का केस किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्म) की धारा 356 के



तहत उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि की कार्यवाही शुरू की है। मैरी कॉम अभी ‘बिग बॉस 20’ में नजर आ रही हैं। ओनलर ने मैरी कॉम पर आरोप लगाया है कि उन्होंने टेलीविजन और दूसरे इंटरव्यू में उनके बारे में नुकसान पहुंचाने वाली बातें कही हैं। मैरी कॉम और ओनलर लंबे समय से अपने रिश्ते को लेकर खबरों में बने हुए हैं, जिसने अब एक नया मोड़ ले लिया है।

मैरी कॉम पर पूर्व पति ओनलर ने किया मानहानि का केस

भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्म) की धारा 356 के तहत अगर उन्हें दोषी ठहराया जाता है तो सजा के तौर पर दो साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर 2026 को तय की गई है। मैरी की टिप्पणियों के बाद से ही ओनलर कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहे थे। हिंदुस्तान टाइम्स को दी गई जानकारी में एक सूत्र ने कहा, “जब से मैरी ने एक टीवी शो और बाद में अन्य मंचों पर भी उनके खिलाफ अपमानजनक बातें कहीं तब से ही ओनलर

कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहे थे।”

ओनलर कॉम का बयान

संपर्क करने पर ओनलर ने पुष्टि की कि वह इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन कानूनी कार्यवाही जारी होने का हवाला देते हुए आरोपों पर विस्तार से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ओनलर ने पुष्टि की कि वह इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं और पब्लिकेशन से कहा, ‘मेरा केस मजबूत है।

मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। मामला अभी कोर्ट में है, इसलिए मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।’ अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी है।

जब मैरी कॉम ने पूर्व पति पर लगाया था आरोप

मैरी ने पहले भी अपने पति ओनलर पर पैसों को लेकर आरोप लगाए थे। ‘आप की अदालत’ में उन्होंने आरोप लगाया था कि ओनलर ने उनके बॉक्सिंग करियर से कमाए करोड़ों रुपये में उनके साथ धोखाधड़ी की। उन्होंने यह भी दावा किया

कि उनके नाम पर लोन लिए गए, उनकी प्रॉपर्टी गिरवी रखी गई और उनकी सही मंजूरी के बिना संपत्तियां ओनलर के नाम ट्रांसफर कर दी गईं। ओनर ने इन आरोपों को बार-बार नकारा है और जबाब में मैरी के शादी के दौरान के व्यवहार को लेकर उन पर पलटवार करते हुए आरोप लगाए हैं। उन्होंने मैरी को उन आरोपों को साबित करने की चुनौती भी दी थी।

ओनलर के करीबी एक सूत्र ने बताया कि उन्होंने शुरू में इस मामले को आगे न बढ़ाने का फैसला किया था, क्योंकि वह और झगड़ा नहीं चाहते थे।

ओनलर और मैरी कॉम का रिश्ता

मैरी और ओनलर की लव स्टोरी 2000 में दिल्ली में शुरू हुई थी। ओनलर, जो दिल्ली यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी में स्टूडेंट थे। उन्होंने मैरी की मदद तब की थी, जब एक कॉम्पिटिशन के रास्ते में उनका सामान खो गया था। उन्होंने 2005 में शादी की। 2007 में जुड़वां बेटे हुए और 2013 में एक और बेटा हुआ। 2018 में मैरी की बेटी की चाहत पूरी करने के लिए उन्होंने एक बेटी को गोद लिया। फुटबॉलर ओनलर ने अपने करियर को कुछ समय के लिए रोकने का फैसला किया ताकि वे बच्चों की परवरिश कर सकें और घर की देखभाल कर सकें। जुनूनी बॉक्सर मैरी के नाम छह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एक ओलंपिक बॉक्स मेडल है। उनके अलग होने की खबर सामने आने के कुछ समय बाद मैरी ने पुष्टि की कि दोनों ने 2023 में ‘कॉम इस्टमरी लॉ’ के तहत तलाक ले लिया था।

कुनिका सदानंद की मां कल्याणी का निधन, इमोशनल पोस्ट शेयर कर बोलीं- ‘आपके बिना दुनिया कमी पहले जैसी नहीं रहेगी’

डेस्क जगप्रेरणा।
‘बिग बॉस’ फेम कुनिका सदानंद पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुनिका और कबीर सदानंद की 83 साल की मां कल्याणी सदानंद का कल शाम निधन हो गया। ‘बिग बॉस’ स्टार ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपनी मां के निधन की खबर दी।



बॉलीवुड एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर गोवा में अपनी मां कल्याणी सदानंद के अंतिम संस्कार और मुंबई में अंतिम संस्कार के बाद की रस्मों की जानकारी शेयर की। मां कल्याणी के निधन के बाद कुनिका सदानंद ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया, जिसका कैप्शन सबका ध्यान खींच रहा है।

मां को खोने पर कुनिका सदानंद का छलका दर्द

‘बिग बॉस 19’ की स्टार ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपनी मां के गुजरने की खबर दी। उन्होंने लिखा, ‘मेरी मम्मा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आपका शुक्रिया - प्यार, गाइडेंस, सपने देखने और दुनिया का

सामना करने का कॉन्फिडेंस, अच्छी पर्सनैलिटी और जिंदगी की मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत।

मेरी प्यारी एम्प्रेस मिसेज कल्याणी सदानंद, आप हमेशा उन लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगी, जिनसे आप मिलीं। दोस्त और परिवार आपको एक मजेदार, खुशामिजाज और मिलनसार इंसान के तौर पर याद करेंगे, जिनके पास हमेशा कहने के लिए कुछ अच्छा और मजेदार होता था।”

कुनिका सदानंद का इमोशनल पोस्ट

अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कुनिका ने आगे कहा, ‘मुझे यकीन है कि आप अपने भाई-बहनों और अपनों से मिलकर खुश होंगी। मेरी मम्मा, आपकी आत्मा को शांति मिले। आपने एक पत्नी, मां, बहन, दादी और जिंदगी के बाकी सभी रिश्तों के तौर पर अपनी सारी जिम्मेदारियां बहुत प्यार और

देखभाल के साथ निभाई।’ अपनी पोस्ट के साथ कुनिका ने अपनी मां की एक तस्वीर भी शेयर की और एक मैसेज लिखा, ‘भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, मम्मा। आपके बिना यह दुनिया वैसी नहीं रहेगी।’

कल्याणी सदानंद का कब-कहां होगा अंतिम संस्कार

कुनिका सदानंद ने एक दूसरे पोस्ट में अपडेट दी, ‘स्वर्गीय एयर वाइस मार्शल एम. सदानंद की पत्नी कल्याणी सदानंद का 6 अक्टूबर 2026 को 83 साल की उम्र में निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार ‘मोक्ष’, संतानीस, पणजी, गोवा में किया जाएगा। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया तब शुरू होगी, जब वे दोपहर 1:00 बजे अपने घर विला 3, लवांडे पैथेआ, कुर्का, गोवा से निकलेंगी। सदानंद परिवार उनके निधन पर शोक व्यक्त करेगा।’

बिग बॉस का हिस्सा रह चुकी हैं कुनिका

कुनिका सदानंद, सलमान खान के होस्ट किए गए ‘बिग बॉस 19’ की जानी-मानी कटेस्ट्रेट थीं। इस शो में उनके साथ तान्या मिस्रत, मालती चाहर, अमाल मलिक, पहना भट्ट, गौरव खन्ना, प्रणीत भोरे और शहबाज बदेशा जैसे कई अन्य लोग भी शामिल थे।

न्यूजीलैंड में अच्छा प्रदर्शन करने पर विश्व कप 2027 टीम में चुने जा सकते हैं भुवनेश्वर : अश्विन

नई दिल्ली, (भाषा)।
पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम के दरवाजे खुल सकते हैं और वह अगले साल अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, “वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूं, अगर वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें एकदिवसीय टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता



उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे।” भुवनेश्वर ने अपना पिछला एकदिवसीय मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था।

अश्विन ने कहा, “अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छे पिचनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता।

भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।” उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 एकदिवसीय मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी पिचनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, “मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूं कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।”

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास..

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी चुनाव प्रणाली और जनता का मताधिकार है। सत्ता बदलने का अधिकार जनता के पास है और इसी अधिकार की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करती है। लेकिन जब चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, मतदाता सूची की शुद्धिता को लेकर संदेह पैदा हो और विपक्ष चुनाव प्रणाली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए सड़क पर उतर आए, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल का विरोध नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। इसलिए लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास है। अगर यह विश्वास खो गया तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खो जायेगा? इस पर लोकतंत्र के चौकीदारों को सोचा पड़ेगा समझना पड़ेगा? जनता के अंदर यह विश्वास दिलाना होगा कि आपका वोट सुरक्षित है। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को जो राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, उसने इस बहस को और तेज कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी डंडिया गठबंधन के मार्च की धुरी बने और विपक्षी सांसद संसद भवन से निर्वाचन आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया। इसके बाद सड़क पर धरना, हिरासत और फिर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा तथा अन्य नेताओं का करीब नौ घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में सामने आया। राहुल गांधी की हिरासत और उनके साथ बड़ी संख्या में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी ने राजनीतिक टकराव को और तीखा कर दिया। देर रात सभी को छोड़ दिया गया, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल जरूर खड़ा किया है। क्या चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान राजनीतिक टकराव से होगा या संस्थागत संवाद से? विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रणाली में ऐसी अनियमितताएं हो रही हैं जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए तथा वोट चोरी के जरिए देश को हाईजैक करने तक की बात कही। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया और कहा कि ऐसा करने वाले बच नहीं पाएंगे। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनका राजनीतिक भाषणों तक सीमित रह जाना उचित नहीं होगा। यदि आरोप गलत हैं तो उन्हें तथ्यों के साथ खारिज किया जाना चाहिए और यदि किसी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के प्रमाण हैं तो खुले

निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप और प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य और प्रमाण होते हैं।दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए। यहां निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता का आधार है। इसलिए जब देश का प्रमुख विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया का विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, तब आयोग को इसे केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय जनता के सामने अधिकतम पारदर्शिता के साथ तथ्यों को रखना चाहिए। इसी तरह विपक्ष को भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना उसका अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करना उसकी जिम्मेदारी भी है। वोट चोरी जैसा आरोप सामान्य राजनीतिक आरोप नहीं है। यह करोड़ों मतदाताओं के विश्वास और पूरी चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इसलिए यदि विपक्ष के पास प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक और संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष रखना चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आक्रोश से लोकतंत्र की विश्वसनीयता मजबूत नहीं हो सकती। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष को भी विपक्ष के सवालों को देशविरोध या लोकतंत्र विरोध के चश्मे से देखने से बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। यदि विपक्ष सवाल पूछता है तो सरकार और संवैधानिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे सवालों का जवाब दें। सवालों से बचने के बजाय पारदर्शिता के जरिए संदेह दूर करना अधिक प्रभावी रास्ता है।

मंगलवार का घटनाक्रम इस दृष्टि से भी चिंताजनक है कि देश की संसद से निकले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग तक मार्च करने से रोक दिया गया और बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लोकतांत्रिक विरोध को किस सीमा तक रोका जाए, यह भी लोकतंत्र की परिपक्वता की कसौटी है। शांतिपूर्ण विरोध, धरना और अपनी बात रखने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है।वहीं इस संबंध में केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि किसी ने मिलने का समय नहीं मांगा तो ऐसे में जब विपक्ष मिलने आ रहा है तो खुले

दिन से स्वागत करना चाहिए। उनका समाधान करना चाहिए। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल पांच वर्ष में एक बार होने वाली प्रक्रिया नहीं है। चुनाव जनता के विश्वास का उत्सव है। बूथ पर खड़ा मतदाता जब अपना वोट डालता है तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसका मत सुरक्षित है, उसकी पसंद का सम्मान होगा और चुनाव परिणाम निष्पक्ष प्रक्रिया का परिणाम होंगे। यदि इस विश्वास में दारार आती है तो उसका असर किसी एक पार्टी पर नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है। आज आवश्यकता राजनीतिक आरोपों को और तीखा करने की नहीं, बल्कि चुनाव प्रणाली में जनता का विश्वास और मजबूत करने की है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक मतदान व्यवस्था, परिणामों और चुनावी शिकायतों से जुड़े प्रत्येक सवाल पर पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए। राजनीतिक दलों, निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका और नागरिक समाज के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।

राहुल गांधी का सड़क पर उतरना कांग्रेस और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति हो सकती है, लेकिन इसके पीछे उठायी गया मूल सवाल राजनीति से कहीं बड़ा है। क्या भारत का मतदाता अपनी वोट की ताकत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है? इस सवाल का जवाब किसी राजनीतिक दल के भाषण से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था और संस्थागत विश्वास से मिलना चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव केवल जीतने और हारने का माध्यम नहीं हैं। चुनाव वह प्रक्रिया है जिसके जरिए जनता सत्ता को अधिकार देती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता वापस भी ले सकती है। इसलिए चुनाव प्रणाली पर उठने वाले हर सवाल को गंभीरता से लेना जरूरी है।

सरकार को विपक्ष की आवाज सुननी चाहिए, विपक्ष को अपने आरोपों के प्रमाण देने चाहिए और निर्वाचन आयोग को अपनी विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो मंगलवार का टकराव लोकतंत्र के लिए संकट नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करने का अवसर बन सकता है। क्योंकि लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण न सरकार है, न विपक्ष सबसे महत्वपूर्ण है जनता का विश्वास। और जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा, जब उसके वोट की पवित्रता पर कोई सवाल अनुत्तरित न रहे।

लेखक



सौरभ गार्ग्या
लेखक वरिष्ठ
पत्रकार, चिंतक,
राजनीतिक विचारक

भरोसे की कसौटी पर कचौड़ी समोसा..

सारा खेल भरोसे का है। किसी का भरोसा जीतना आसान नहीं है। कचौड़ियों ने भरोसा जीत रखा है।अनेक शहरों में कचौड़ियों का बड़ा व्यवसाय है। सुबह के नाश्ते में कचौड़ियों का साथ जलेबी भी खूब निभाती है। नमकीन के बाद में मीठे का आनंद ही कुछ अलग है। जलेबी का स्वाद ही ये जीभ मांगे मोर जैसी स्थिति उत्पन्न कर देता है। अपने यहां बेरोजगारी कम नहीं है। बेरोजगारी के चलते पढ़ाई में मन नहीं लगता। पढ़ने लिखने के बाद भी रोजगार के समुचित अवसर न मिलें, तो पढ़ने से क्या लाभ। इसीलिए जिनके हाथों में कापी किताबें होनी चाहिए थी, वे रील बनाने में अपनी सृजन क्षमता का उपयोग कर रहे हैं। न मिलने से कुछ तो अच्छा है। ऐसे में समोसा कुछ युवतियों के निशाने पर है। एक ही प्रकार की रील बनाने से ऊब उत्पन्न होती है, सो विषयवस्तु में परिवर्तन करना समय की मांग होती है। बहरहाल किशोरी हो या यौवना, किशोर हो या युवक,उसकी आँखों में सपने बड़े होते हैं। यदि समय से विवाह न हो या भरोसे वाला जीवन साथी न मिले, तब खीज होना स्वाभाविक है। यही खीज नकारात्मकता को जन्म देती है। मित्रों को बार बार भरोसे की कसौटी पर तोलने के लिए विवश करती है। भरोसे के प्रति संदेह व्यक्त करती है। भरोसा टूटने की आशंका में दो कचौड़ी एक समोसा, किसी का नहीं है कोई भरोसा, जैसा विमर्श गढ़ने का आधार बनती है। वैसे तो दो कचौड़ियों के साथ एक समोसे का कोई मेल नहीं होता, फिर भी तुकबंदी के लिए शब्दों का मनमाना प्रयोग किया ही जा सकता है, भले ही उनमें कोई मेल हो या न हो। वाक्य वित्यास का फर्मूला इस पर लागू नहीं होता। कचौड़ी के साथ जलेबी का मेल व्यावहारिक है। नमकीन के बाद मीठे की चाहत होती ही है। पारंपरिक उत्सवों में इसका ध्यान रखा जाता है। यदि कुछ खट्टा मीठा और नमकीन चटपटा हो, तो उसके बाद कुछ मीठा हो जाए की कामना होती ही है।

फिलहाल समोसा नाश्ते के रूप में स्वादिष्ट व्यंजन है, किन्तु इसका प्रयोग ग्राहक के स्वाद पर टिका है। खट्टी मीठी चटनी के साथ समोसा, या आलू छोले की सब्जी के साथ समोसा अलग स्वाद का आनंद देता है, दो ब्रेड पीस के बीच दबा कर बड़ा पाव की तर्ज पर समोसा खाना कभी कभी लंच या डिनर जैसी संतुष्टि प्रदान कर सकता है। सवाल समोसे पर भरोसे का है।

अब समोसे के भरोसे पर ही सवाल उठ रहे हैं। जिन्हें समोसे पर भरोसा है, वे समोसे के समर्थन में हैं। वे कहते हैं बिना समोसे के भी भरोसा करके नीले ड्रम का शिकार हो सकते हैं। जिन्दगी में भरोसे की बड़ी अहमियत है, यदि सरकारी बस में यात्रा करते समय बस चालक पर ही भरोसा न करें, प्लेन में पायलेट पर भरोसा न करें, तब यात्रा के संकूल पूर्ण होने तक आशंका बनी रह सकती है। सो मेरा मानना यही है, कि परिवार में,समाज में, सार्वजनिक जीवन में बिना भरोसे के आगे बढ़ना सरल नहीं है। इसलिए भरोसा किसी पर करो या न करो, किन्तु स्वादिष्ट समोसे को भरोसे की कसौटी पर ट्रेल करके बदनाम करने का कोई औचित्य नहीं है। विमर्श यही बनाया जाना चाहिए - रसगुल्ला, रसमलाई, बड़ा पाव या हो समोसा, इन पर सभी हम करें भरोसा।

सुधाकर आशावादी विनायक फीचर्स

यदि आप प्रतिदिन दैनिक समाचार पत्र प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया मो. 9329033433 पर संपर्क करें।



दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रहे विमान का अपहरण होने से रोकने में कामयाब भारतीय मूल के पायलट रिमंत मच्छर की बहादुरी को प्रणाम

दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रहा था एक विमान। उसको हाईजैक करने की कोशिश में कॉकपिट में घुस आया एक रैताना। जिसका मुल्क था ओमान। आगे की कहानी बहुत खतरनाक है श्रीमान। ओमानी पायलट ने चाकू भारतीय मूल के पायलट को मारा। किंतु पायलट रिमंत मच्छर हिममत नहीं हारा। जान हथेली पर रखकर दूसरे पायलट साथी और कुछ यात्रियों के संग रैतान से करते रहा हाथा पाई। झड़प के कारण कुछ ही पल में विमान सत्रह हजार फीट नीचे आ गया था मेरे भाई । गांबाज पायलट रिमंत ने साथियों की मदद से हाई जैक होनेकी चेतावनी जैसे ही भिजवाई। इजरायल ने फ़्लटर जेट गेजकर सऊदी अरब के ताबूक में आपातकालीन लैंडिंग कराई।। विमान में 150इजरायली यात्री सहित 180 लोग थे सवार। 9/11 जैसी आतंकी घटना घटित होने से बच गए यार।। पायलट रिमंत ने घायल होकर भी सच्चा भारतीय होने का धर्म निभाया है। सारे विश्व में भारतीय चरित्र एवं कर्तव्यनिष्ठा का परचम लहराया है। भारतीय प्रधान मंत्री मोदी जी के साथ ही सारे भारतीय करते हैं पायलट रिमंत का सम्मान। पायलट रिमंत तुम्हे प्रणाम। पायलट रिमंत तुम्हे प्रणाम।।

डॉ प्रणय श्रीवास्तव अश्क 9424979678

हरमन, तुमने क्यों छोड़ी कमान?

हरमन, तुमने क्यों छोड़ी कमान, आज यह पूछ रहा है हिंदुस्तान। जीत की राहों की 'तुम: सरताज, तुमसे रोशन हुआ देश का मान।

तुमने ही सिखाया हार नहीं होती, हैं,जब हैसलों में आग जगी हो। राह में मुश्किलें जितनी भी आए, मंजिल फिर भी सामने खड़ी हो।

जहाँ बल्ले की हर एक चोट में, हमारे भारत का ये विश्वास रहा। यूँ हर एक रन में संघर्ष तुम्हारा, हरेक जीत में भी इतिहास रहा।

टीम को 'विश्व विजेता' बनाकर, तुमने अपना खूब फर्मा निभाया। नई कप्तान को रास्ता दिखाकर, नेतृत्व का गहन अर्थ समझाया।

वर्तमान कप्तानी छोड़ी, प्रेम नहीं, देशवासियों से रिश्ता कैसे टूटेगा? भारत की हरेक बेटी के सपनों में, तुम्हारा ये साहस फिर से जुटेगा।

संजय एम तराणेकर कवि, लेखक व समीक्षक इन्दौर

मन के पार, देह की सीमाएँ

जिंदगी की भाग- दौड़ में कितनी थकान होती है, सुकून भी कहीं खो-सा जाता है। मन और देह का समन्वय भी कितना पेचीदा-सा बन जाता है, मन बस बहता जाता है तो, शरीर बस कहीं ठहरना चाहता है। इन दोनों की लड़ाई में बेचारा दिमाग भी तो थक ही जाता है। ये पागल मन... पर ठकना कहीं चाहता है, ये कहीं ठहर पाता है? पर इस संघर्ष में किसी अपने प्यारे से व्यक्ति के संग बस बातें कर लेने भर से मन जल्दी ही सुकून भी पा जाता है। फिर देह भी थोड़ी स्फूर्ति पाता है, सारी तकलीफ़ेंमूलकर देह अपनी दिनचर्या में खुद को व्यस्त कर जाती है। सच कहूँ तो मन है चंचल... वो कहीं ठहर पाता है, ऐ मन, तू कहीं ठहर पाता है।

लेखिका



टीचर सूरमादेवी रहांगडाले कटरे आमगांव

शब्दवर्गपहेली क्र.- 293

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
13			14		15					16		
17		18			19	20		21		22	23	
				27						28	29	
33	34				35					36		
39				40	41			42		43		
				46				47		48	49	
52		53	54					55		56	57	
58	59					60	61			62		64
65					66		67			68	69	
	71	72			73	74				75	76	
79				80						81	82	83
		86	87					88		89		90
91	92		93					94				97
98		99				100	101			102	103	
106						107					109	

ct;।। nk;।- 1) महाराष्ट्र का यह प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र भीमा नदी के किनारे बसा है। 5) लाक्षणिक दृष्टि से धूर्त या टग, मनोज कुमार और हेमामालिनी की एक पुरानी फिल्म 8) एक दशरथ पुत्र, राम 11) अर्दली, व्यादा 13) फंदा 14) शीतपेय की एक उत्पाद कंपनी 16) एक फारसी कवि जो रुबाईयों के लिये प्रसिद्ध थे 17) काशी शहर का एक नाम 19) सेना का प्रधान अधिकारी 23) पिता का पिता 24) चचेरे भाई के पिता 27) जहाज ठहरने का स्थान 28) पुरी तरह से नष्ट 31) बरबाद, नष्ट 33) पुरानी फिल्म निकाह की पाकिस्तानी हीरोइन 35) मन में होनेवाला या उससे संबंधित 37) भीगा हुआ 38) एक राय 39) यु, एस. ए. के एक भूतपूर्व राष्ट्रपति का कुल नाम 40) विवाह, धुन 42) अरब का वह स्थान जहां इमाम हुसैन अपने साथियों के साथ शहीद हुए थे 44) अग्नि की ज्वाला 46) आनंद के साथ 47) किसी मत को माननेवाला 49) शपथ पत्र (उर्दू) 53) बड़ी चारपाई 55) सुगन्धित फूलों का एक पेड़ 56) जीवन यापन का ढंग 58) अनावश्यक (उर्दू), बिना दरकार के 60) चिर तरुण की उपाधि मिले फिल्म गाईड, जॉनी मेरा नाम के हीरो 62) भय से त्रस्त होना, व्यग्र होना, व्याकुल होना 63) रक्त का अपभ्रंश रूप 65) लसदार थूक 67) गाड़ी का पहिया 69) दरकाना या स्थगित करना 70) एक आंख से देखनेवाला 71) बरसात, वर्षा 73) साहित्य में रौद्र, बीमत्स, श्रृंगार आदि, द्रव 75) प्रशंसा, तारीफ 77) यह का बहुवचन 78) संदेह 79) अकेला 80) सप्ताह का एक दिन 81) सुंदर, मनोहर, चिन्ह 82) उम्मीद 85) हाथी 86) वफादारी 88) कथन, सार्थक वाक्य 89) भारत का एक सर्वोच्च सदन 90) अध्यक्ष, अधेश 91) कीड़ा 93) मृत्यु 94) एक पुरानी प्रसिद्ध फिल्मि नर्तकी अभिनेत्री 95) नजदीक 96) गाने की विशिष्ट ध्वनियां 98) स्तंभ (अं.) 100) बूंद बूंद 103) सेना के साथ भेजा जानेवाला खाने का सामान 104) हिन्दुओंका सबसे बड़ा त्यौहार 106) खींचतान, वैमनस्य 107) दया 108) जिन्दगी 109) चमड़ा, खाल

Aij।। ulp।& 1) स्वतंत्रता सेनानी लाला लजपत राय

को दी गई उपाधि 2) बीतना 3) सिपाही 4) एक विदेशी शराब 6) सामुहिक गीत गान 7) प्रतिशोध 8) महाराष्ट्र के एक संतकवि जिनका दासबोध ग्रंथ प्रसिद्ध हैं 9) पुरुषत्व 10) नाखून 11) लाक्षणिक दृष्टि से चापलूस 12) रजनी, निशा 15) संदेशवाहक (उर्दू) 18) वहिदा , एक पुरानी सफल अभिनेत्री का कुल नाम 20) अधिक आनंद 21) साहस भरा 22) लगा हुआ, अनुरक्त 25) एक पक्षी जो बर्षा की बूंदों का बड़े बेसब्री से इंतजार करता रहता है 26) महोदया (उर्दू) 27) एक सागर का नाम 29) आक्रमण करनेवाला 30) हराम का विरुद्धार्थी शब्द 32) सिरदर्द होने पर लगाया जानेवाला प्रसिद्ध मलहम 34) स्पर्श होना 36) पंकज कपूर की एक पुरानी जासूसी दूरदर्शन धारावाहिक 38) वह पुस्तिका जिसमें नक्शों के जरिये विभिन्न देशों की और विश्व के भूगोल संबंधी जानकारी दी जाती है 41) बंदूक (अं.) 43) कहना, सूचित करना 45) परिधान करना 48) अकबर बादशाह का सबसे चतुर दरबारी 50) ध्वज, पताका आदि का हा में उड़ना 51) निखरों के धर्म प्रवर्तक प्रसिद्ध गुरु 52) छुड़साल 53) पंख, लेकिन 54) लंका रावण 55) सोना 57) पराजित करना 59) पहरेंदार, द्वार रखा 61) वाणी, बोली 62) कम करना 64) सच्ची 66) नर्मदा का अपभ्रंश 68) अदभूत, अनूठा, हिंदी के एक पुराने श्रेष्ठ कवि का उपनाम 72) जेल से मुक्ति, छुटकारा 74) वाहन पर सवार व्यक्ति 75) राज्य, शासन (उर्दू) 76) दूरदर्शन के प्रारंभ काल में दिखाया गया एक लोकप्रिय दीर्घ धारावाहिक 78) X X X चढ़ाण, हमारे एक भूतपूर्व केन्द्रीय गृहमंत्री का नाम 79) न्यायिक या विधिक जांच पड़ताल 80) पुरानी फिल्म त्रिदेव की एक अभिनेत्री 82) इधर उधर, चारों ओर, नजदीक 83) सदस्यता 84) न्यायालय में वादी का उत्तर देनेवाला 87) स्त्री जाति का प्राणी 88) बच्चा 92) टाला जाना 94) महात्मा गांधीजी के अंतिम शब्द 97) कालीन 99) राय, विचार 100) हाथ, महसूस 101) परत 102) सहमत 103) दौड़ (अं.) 105) नीर, जल (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

व	सं	त	चा	व	ना	ई	क	सु	म	न	रं	ग	मं	ब		गु	ना
न	ख	र		जी	म	ना		दा	दा	र	ग	र	ग	उ	घ	ज	ना
	य	ल	गा	र		मी	ना	कु	मा	री	भा	नी	ल	का	प	स्थ	र
ला	जी		ल		क	ना	ग	त		ज		अ		ता	म	रं	बं
ज	ग	ना		घ	मं	डी		रं	वि	द	ना	थ	टै	गो	रं	कै	सं
वं	दि	या		ख	का	रं	ना		वि	ना		ची	ल		का	फू	रं
ती	सं	रा		ह	लं		वि		ता	ड़	ना		गुं	ज	नं	लं	वं
	दा		ना	क		ना		टी	ना	सु	नी	मं		बं	रा	मं	दं
	य	सु	दे	यं		अ	ने	रि	का	त्रे		क	नी	जं	नं	हं	रां
न	हा	ना		क	वि	क्त		पं	त्रं	का	रं		लो	नं	जा	कं	तं
	ग		बं	लं	रा	मं		रि	कं	रं	णं		रं	कं	मं	मं	दं
अ	नं	सु	ना		मं	व्यं	मं	पु	रुं	वं		अ	नं	छा	नं	दी	पं
ना		वा	वं	कं		भा	तं		सं	गं	रं		रा	मं	तं	नं	यं
कं	रं	कं	टं		वै	रं		अं	वा	मं		सं	मं	रं		गं	नी
लं	हं	रं		भी		तं	नं	हा	ई		पो	डा		मं	गं	री	अं
नं	मं		वं	रुं	णं		लं	ता		वृं	तं	रा	ध्रं		जं	यं	लि

anumeya-08446302691



भारत की रखरखाव अर्थव्यवस्था से जीडीपी में एक प्रतिशत तक का अवसर : विशेषज्ञ..

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारत की रखरखाव अर्थव्यवस्था उपकरणों में खराबी, अनियोजित कामबंदी, संपत्तियों के कम उपयोग और समय से पहले उन्हें बदलने से होने वाली उत्पादकता के नुकसान की भरपाई कर देश की



सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एक प्रतिशत तक का अवसर पैदा कर सकती है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। उद्योग मंच ‘एमआरएएम (मेंटेनेंस, रिलायबिलिटी एंड एसेट मैनेजमेंट) एक्सपो 2026’ की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उद्योगपतियों ने बेहतर परिसंपत्ति प्रबंधन पर बढ़ते नीतिगत जोर का उल्लेख किया।

नीति आयोग की ‘विकसित भारत के लिए एआई’ रिपोर्ट में अधिक भरोसेमंद और मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पूर्वानुमानित रखरखाव, डिजिटल ट्विन, सबस्टेशन का स्वचालित संचालन और दूरस्थ निगरानी की सिफारिश की

गई है। ‘एमआरएएम एक्सपो 2026’ में उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने कहा कि खराबी आने पर प्रतिक्रियात्मक रखरखाव करने की मौजूदा व्यवस्था से हटकर पूर्वानुमानित, आंकड़ों पर आधारित और विश्वसनीयता-केंद्रित रखरखाव अपनाने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, परिसंपत्तियों की उम्र बढ़ाई जा सकती है, परिचालन लागत घटाई जा सकती है तथा विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत की जा सकती है। सरकार ने भी परिसंपत्ति प्रबंधन के महत्व को लगातार स्वीकार किया है।

इस अवसर पर एबीबी इंडिया के मोशन सर्विसेज विभाग के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा, “अध्ययन के निष्कर्ष यह स्पष्ट करते हैं कि हमारा उद्योग अक्सर बिना योजना के काम बंद

होने के वास्तविक प्रभाव को कम करके आंकता है और सर्वेक्षण इस वास्तविकता की मजबूत पुष्टि करता है।” एमआरएएम 2026 की संयोजक और विगो कन्सुलिंगेन्स की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अनीता रघुनाथ ने कहा कि भारत रखरखाव, विश्वसनीयता और परिसंपत्ति प्रबंधन के क्षेत्र में तेजी से परिपक्व हो रहे बाजार के रूप में उभर रहा है।

बिना योजना के काम बंद होने से उत्पादकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अंदाजा इसके आंकड़ों से लगाया जा सकता है। एबीबी के वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की 88 प्रतिशत औद्योगिक कंपनियों को महीने में कम से कम एक बार बिना योजना के काम बंद होने का सामना करना पड़ा, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 69 प्रतिशत था।

अमेरिका के आईआरआईएसएस समूह के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन रॉबिन्सन ने कहा, “बेहतर रखरखाव उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि का सीधा चालक है। इससे काम बंद रहने का समय कम होता है, खराबियां घटती हैं, परिसंपत्तियों की उम्र बढ़ती है, परिचालन लागत कम होती है और बर्बादी घटती है।”

आरबीआई का ब्याज दर में वृद्धि का फैसला मौजूदा हालात में नपा-तुला कदम: बैंक अधिकारी

मुंबई, (भाषा)।
शीर्ष बैंक अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि प्रमुख ब्याज दर में बढ़ोतरी करके मौद्रिक सख्ती के एक नए दौर की शुरुआत करने का भारतीय रिजर्व बैंक का फैसला अर्थव्यवस्था के मौजूदा हालात में एक नपा-तुला कदम है।



भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेठ्टी ने कहा, “आरबीआई का नीतिगत फैसला मुद्रास्फीति के उभरते दबावों के प्रति एक नपा-तुला कदम है, जबकि यह भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती को भी दर्शाता है।”

उन्होंने कहा कि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के अनुमान में 0.40 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी कर इसे 7.1 प्रतिशत किया जाना भी भरोसा पैदा करने वाला है।

उद्योग निकाय भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मौजूदा चेयरमैन शेठ्टी ने कहा कि यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भू-राजनीतिक घटनाक्रम और ऊर्जा की ऊंची कीमतों सहित आपूर्ति पक्ष के दबाव लगातार करीबी निगरानी की मांग करते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को उम्मीद के मुताबिक प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। साथ ही नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर ‘सूझ-बूझ के साथ सख्त’ करने का निर्णय किया।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के भारत एवं दक्षिण एशिया खंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पी डी सिंह ने कहा कि ब्याज दर में बढ़ोतरी अधिक चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच मुद्रास्फीति को काबू में रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, “यह कदम बढ़ते मुद्रास्फीति के दबावों के बीच मूल्य स्थिरता को स्पष्ट प्राथमिकता देने का संकेत देता है। साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और घरेलू मांग की मजबूती को रेखांकित करता है।”

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेपो दर में बढ़ोतरी महंगाई के जोखिम को नियंत्रित करने के लिए संतुलित और एहतियाती कदम है।

श्रीवास्तव ने कहा, “मौद्रिक नीति के रुख को ‘सूझ-बूझ के साथ सख्त’ करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। इससे संकेत मिलता है कि फ्लिहाल ब्याज दर में कटौती की संभावना नहीं है और आगे के नीतिगत कदम आर्थिक वृद्धि तथा महंगाई के दबाव के रुख पर निर्भर करेंगे।”

उन्होंने कहा, “ब्याज दर में बढ़ोतरी का असर स्वाभाविक रूप से कर्जदारों, खासकर आवास ऋण लेने वाले ग्राहकों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा। बैंकों को ऊंची ब्याज दरों को ग्राहकों तक पहुंचाने के साथ-साथ उत्पादक कर्ज की मांग को समर्थन देना भी जारी रखना होगा।”

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण महंगाई का दबाव बढ़ा है और रेपो दर में बढ़ोतरी का उद्देश्य बढ़ती महंगाई को स्थिर करना तथा वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

उन्होंने कहा, “रेपो दर बढ़ने से वित्तपोषण लागत और ब्याज दरों पर कुछ असर पड़ेगा,लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया जाना मजबूत आर्थिक वृद्धि और स्वस्थ ऋण मांग को दर्शाता है। यह बैंकिंग क्षेत्र के लिए अनुकूल माहौल है।”

कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा कि एमपीसी ने उम्मीद के मुताबिक रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की है, लेकिन नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर

‘सूझ-बूझ के साथ सख्त’ करने का निर्णय अप्रत्याशित रहा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक जोखिम बने रहने पर आगे नीतिगत दर में 0.25 से 0.50 प्रतिशत की और वृद्धि की संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा कि आरबीआई ने प्रमुख वैश्विक केंद्रीय बैंकों के साथ कदम मिलाते हुए ब्याज

दरों में बढ़ोतरी का चक्र शुरू किया है। यह फैसला घरेलू महंगाई के बढ़ते जोखिम के बीच लिया गया है, जबकि आर्थिक वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि नीतिगत रुख को सूझ-बूझ के साथ सख्त किए जाने का निर्णय यह संकेत देता है कि आज नीतिगत दर में वृद्धि एक बार का कदम नहीं, बल्कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी के चक्र की शुरुआत है।

गुप्ता के अनुसार, अगले कुछ महीनों में आरबीआई नीतिगत दर में कुल मिलाकर 0.50 से 0.75 प्रतिशत तक और वृद्धि कर सकता है। अधिक आक्रामक दर वृद्धि का जोखिम इस बात पर निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और तेल कीमतों में बढ़ोतरी कितने समय तक बनी रहती है।

श्रीराम फ़र्नेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवणकर ने कहा कि रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि एक कड़ा लेकिन उचित कदम है।

उन्होंने कहा कि महंगाई मुख्य रूप से खाद्य और ईंधन से जुड़े आपूर्ति पक्ष के दबाव से प्रभावित है और मानसून के असमान रहने तथा तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच केंद्रीय बैंक ने समय रहते कदम उठाया है।

गोदरेज कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक मनीष शाह ने कहा कि उच्च ब्याज दरों से अल्पकाल में खुदरा तथा एमएसएमई क्षेत्रों में ऋण मांग पर असर पड़ सकता है, लेकिन दीर्घकालिक टिकाऊ वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति को लेकर भरोसा बना रहना महत्वपूर्ण है।

टाटा कैपिटल के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ राजीव सभरवाल ने कहा कि दरों में बढ़ोतरी के कारण गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं को वित्तपोषण लागत में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने सतारा पावर ट्रांसमिशन का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली, (भाषा)।
सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावर फ़इनैन्स कॉर्पोरेशन (पीएफसी) ने बुधवार को कहा कि उसकी अनुषंगी पीएफसी कंसल्टिंग ने विशेष प्रयोजन इकाई सतारा पावर ट्रांसमिशन

को सफल बोलीदाता अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को हस्तांतरित कर दिया है। पीएफसी कंसल्टिंग को सतारा पावर ट्रांसमिशन के लिए

बोली प्रक्रिया का समन्वयक बनाया गया था। इस विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीवी) का गठन पश्चिमी क्षेत्र में नेटवर्क विस्तार योजना के तहत सतारा के आसपास पंड स्टोरेज क्षमता के दोहन के लिए 4,500 मेगावाट तक की पारेषण प्रणाली विकसित करने के लिए किया गया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि शेयर खरीद समझौते के तहत पीएफसी कंसल्टिंग को 19,01,24,505 रुपये मिले। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने एक अलग सूचना में कहा कि सतारा पावर ट्रांसमिशन का अधिग्रहण छह

अक्टूबर को पूरा हो गया। कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने की उसकी रणनीति का हिस्सा है।

सतारा पावर ट्रांसमिशन को कर्नाटक में नवीकरणीय ऊर्जा की अतिरिक्त बिजली को महाराष्ट्र के सतारा, पुणे और मुंबई महानगर क्षेत्र के बिजली के केंद्रों तथा पंड स्टोरेज परियोजनाओं तक पहुंचाने में मदद के लिए दक्षिणी और पश्चिमी ग्रिड के बीच एक अतिरिक्त 765 किलोवोल्ट अंतर-क्षेत्रीय पारेषण गलियारा विकसित करने के लिए बनाया गया है। सतारा पावर ट्रांसमिशन को 10 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली में कंपनी रजिस्ट्रार के यहां पंजीकृत किया गया था। कंपनी की अधिकृत और चुकता शेयर पूंजी एक-एक लाख रुपये है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने कहा कि उसने कंपनी के इक्विटी शेयर 10 रुपये के अंकित मूल्य पर हासिल किए हैं।

खरीफ प्याज की आवक बढ़ने से आपूर्ति सुधरी, खुदरा कीमत और गिरने की उम्मीद: सरकार..

नई दिल्ली, (भाषा)।
सरकार ने बुधवार को कहा कि बाजार में खरीफ प्याज की आवक शुरू होने से इसकी आपूर्ति बढ़ी है और रबी मौसम के भंडारित प्याज की उपलब्धता के साथ खुदरा कीमतों में और कमी आने की उम्मीद है।



खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार प्याज की उपलब्धता और कीमतों की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। मंत्रालय ने कहा कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और राजस्थान समेत प्रमुख उत्पादक राज्यों से ताजा खरीफप्याज की आवक शुरू हो गई है, जबकि भंडारित स्टॉक से आपूर्ति जारी है और इससे बाजार की मांग पूरी हो रही है। इसके अलावा, केंद्र आम लोगों को राहत देने के लिए बफर स्टॉक से प्याज रियायती दरों पर बाजार में उतार रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि ताजा खरीफप्याज की आपूर्ति में तेजी आने तथा त्योहारी मौसम से पहले सरकार के वितरण प्रयासों को मजबूत किए जाने की उम्मीद है। इससे आपूर्ति की स्थिति मजबूत बनी रहेगी और कीमतों में और कमी आएगी। देशभर में प्याज का औसत खुदरा मूल्य 53.78 रुपये प्रति किलोग्राम है।

वर्ष 2025-26 में प्याज का उत्पादन

307.37 लाख टन रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले के 307.67 लाख टन के लगभग बराबर है। मंत्रालय ने कहा कि आपूर्ति की स्थिति में सुधार हो रहा है, जिससे मंडियों और प्रमुख उपभोक्ता बाजारों में प्याज की कीमतों में व्यापक स्तर पर कमी आई है।

मंत्रालय ने कहा कि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों से प्याज की आवक आने वाले सप्ताहों में और बढ़ने की उम्मीद है। इससे आगामी त्योहारी मौसम में उपभोक्ता बाजारों में प्याज की कुल उपलब्धता बेहतर करने में मदद मिलेगी।

बयान में कहा गया कि खरीफप्याज के उत्पादन की संभावनाएं उत्साहजनक हैं और देशभर में इसका रकबा करीब पांच प्रतिशत अधिक रहने का अनुमान है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसल की स्थिति भी अनुकूल बनी हुई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले हफ्तों में खरीफप्याज के प्रमुख उत्पादक

क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश का कोई अनुमान नहीं बताया है। इससे प्याज की कटाई, सुखाने और ढुलाई सुचारू रूप से होने में मदद मिलेगी तथा नमी के कारण फसल को नुकसान का जोखिम कम होगा।

महाराष्ट्र में प्याज के भारित औसत मंडी मूल्य के बारे में केंद्र ने कहा कि यह 16 सितंबर को करीब 4,030 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर तीन अक्टूबर को लगभग 3,475 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। इसमें करीब 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। खुदरा कीमतों के बारे में मंत्रालय ने कहा कि 126 शहरों में पिछले दो सप्ताह के दौरान प्याज के खुदरा मूल्य में एक से 21 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमी दर्ज की गई है। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत प्रमुख उपभोक्ता राज्यों में कीमतों में कमी आई है।

बफर स्टॉक से प्याज बाजार में उतारे जाने के बारे में केंद्र ने कहा कि अब तक 123 शहरों में आठ ‘कांदा एक्सप्रेस’ और 467 ट्रकों के जरिये दो लाख क्विंटल से अधिक प्याज की बिक्री की जा चुकी है। सरकार ने कहा कि वह प्याज की आवक, भंडार और कीमतों में उतार-चढ़ाव पर करीबी नजर रख रही है। जरूरत पड़ने पर सुचारू वितरण और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

रेपो दर में बढ़ोतरी से शेयर बाजार की तेजी थमी, सेंसेक्स 429 अंक गिरा

मुंबई, (भाषा)।
प्रमुख नीतिगत दर रेपो में करीब चार साल बाद पहली बार बढ़ोतरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेशक धारणा प्रभावित होने के कारण स्थानीय शेयर बाजार लगातार दो दिन की तेजी के बाद बुधवार को गिरकर बंद हुए।

सेंसेक्स में 429 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 173 अंक टूट गया। विश्लेषकों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी करने के फैसले से बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी दबाव डाला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 429.11 अंक यानी 0.59 प्रतिशत गिरकर 72,638.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 599.09 अंक के नुकसान के साथ 72,468.72 अंक पर आ गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 173.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,603.05 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर नुकसान में रहे। टाइटन, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, इमोसिस, लार्सन एंड टुब्रो और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ कोटक महिंद्रा बैंक,

भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फ़र्नेस के शेयर लाभ में रहे। आरबीआई ने बुधवार को रेपो दर को 0.25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया जो करीब चार साल में पहली बढ़ोतरी है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख बदलकर ‘सोच-समझकर सख्ती’ वाला कर दिया, जिससे निकट अवधि में दरों में कटौती की संभावना खत्म हो गई है।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “नीतिगत दर बढ़ोतरी उम्मीद के अनुरूप ही थी, लेकिन नीतिगत रुख में बदलाव से बाजार पर अधिक असर पड़ा। वृद्धि के अनुमान में बढ़ोतरी से घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत मिला, लेकिन महंगाई के ऊंचे अनुमान और मूल्य स्थिरता पर आरबीआई के जोर ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया।” व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.43 प्रतिशत गिर गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मॉलकैप में 0.17 प्रतिशत की मामूली तेजी

रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड में सर्वाधिक 2.46 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 1.83 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.74 प्रतिशत और वाहन खंड में 1.41 प्रतिशत की गिरावट रही।

रेलियेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, “घरेलू और वैश्विक कारकों

के मिलेजुले असर में स्थानीय बाजारों में हाल की तेजी थम गई। बाजार में दर बढ़ोतरी पर शुरू में संतुलित रुख अपनाया लेकिन मौद्रिक रुख में बदलाव से निवेशक सतर्क हो गए। कच्चे तेल में पिर से तेजी आने और रुपये में कमजोरी बढ़ने से भी धारणा प्रभावित हुई।”

वैश्विक तेल मानक ब्रेट वरूड 1.41 प्रतिशत बढ़कर 102 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,961.30 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉप्सी, जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी दोपहर के कारोबार के दौरान गिरावट रही।

अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को सेंसेक्स 685.34 अंक बढ़कर 73,067.81 अंक और निफ्टी 220.35 अंक चढ़कर 22,776.10 अंक पर बंद हुआ था।

कर्ज की लागत बढ़ने से निर्यातकों पर बढ़ सकता है वित्तीय बोझ : फियो

नयी दिल्ली, (भाषा)।
निर्यातकों के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फिमो) ने बुधवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर बढ़ाए जाने से निर्यातकों, खासकर छोटे और मझोले कारोबारियों (एमएसएमई), पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है। संगठन ने कहा कि यह स्थिति ऐसे समय आई है जब वैश्विक व्यापार पहले से ही कई अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है। आरबीआई ने बुधवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया। फिमो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि बढ़ती महंगाई और कीमतों को नियंत्रण में रखने की जरूरत को देखते हुए आरबीआई का रेपो दर बढ़ाने का फैसला समझ में आता है। हालांकि, ब्याज दरों में बढ़ोतरी से निर्यात पर निर्भर कारोबारों के लिए रोजमर्रा के खर्च और कारोबार चलाने के लिए जरूरी पूंजी जुटाना महंगा हो जाता है। इसका असर खासकर एमएसएमई पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि निर्यातक इस समय बेहद अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों में कारोबार कर रहे हैं। भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, माल पहुंचने में अधिक समय और भुगतान में देरी के कारण निर्यात कारोबार में पैसा लंबे समय तक फंसा रहता है। रल्हन ने कहा कि ऐसे समय में कर्ज पर अधिक ब्याज देना भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता को प्रभावित कर सकता है, खासकर उन कंपनियों को जिनका मुनाफा पहले ही कम है। उन्होंने आरबीआई से निर्यातकों को अधिक समय तक कर्ज सुविधा देने का आग्रह किया। फिमो ने कहा कि निर्यात से पहले और निर्यात के बाद मिलने वाले कर्ज की मौजूदा 270 दिन की अवधि बढ़ाकर 450 दिन की जानी चाहिए। संगठन के अनुसार, लंबे समय तक चलने वाली समुद्री यात्रा, माल ढुलाई में रुकावट और निर्यात

भुगतान मिलने में देरी के कारण निर्यातकों को अतिरिक्त समय की जरूरत है।

रल्हन ने कहा कि कर्ज की अवधि बढ़ाने से निर्यातकों को वित्तीय दबाव से राहत मिलेगी और वे विदेशी ग्राहकों के साथ किए गए अपने कारोबारी वादे पूरे कर सकेंगे। फिमो ने यह भी सुझाव दिया कि आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति के साथ निर्यातकों के लिए लक्षित नकदी सहायता और सरस्ता कर्ज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इससे निर्यातक बढ़ी हुई उत्पादन और वित्तीय लागत का सामना करते हुए उत्पादन जारी रख सकेंगे, विदेशी ऑर्डर पूरे कर सकेंगे और नए बाजारों में कारोबार बढ़ा सकेंगे। उन्होंने कहा कि महंगाई के बढ़ते दबाव को देखते हुए आरबीआई का मौद्रिक नीति रुख सख्त करना समझ में आता है, लेकिन वैश्विक व्यापार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच ब्याज दरों में वृद्धि से निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई, पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को भी ध्यान में रखना चाहिए।

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

9

गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

लांजी किरनापुर हट्टा

● भानेगांव ● मोहड़री ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साइरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

खबर प्रकाशन का असर: पालडोंगरी कैप मार्ग को दुरुस्त करने पंचायत को एसडीएम ने दिए निर्देश..

जगप्रेरणा लांजी।

धान खरीदी शुरू होने से पहले पालडोंगरी कैप तक पहुंचने वाले जर्जर मार्ग की बदहाली को लेकर प्रकाशित खबर का असर सामने आया है। खबर के माध्यम से प्रशासन

और संबंधित विभागों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया था कि आगामी धान खरीदी सीजन में इसी मार्ग से दो दर्जन से अधिक गांवों के हजारों किसानों की उपज पालडोंगरी कैप तक पहुंचेगी। इसके बावजूद कैप तक पहुंचने वाला मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में था। अब प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है। 7 अक्टूबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने तहसीलदार संजय बारस्कर के साथ पालडोंगरी कैप का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कैप तक पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति को मौके पर देखा और आगामी धान खरीदी के दौरान संभावित परेशानियों को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान मार्ग की वास्तविक स्थिति सामने आने के बाद एसडीएम ने पालडोंगरी सरपंच गणेशराम नारनैरे से चर्चा कर कैप स्थल तक पहुंचने वाले रास्ते को दुरुस्त कराने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।

हर साल मुरम डालने की खानापूर्ति से अलग अब स्थायी सुधार की जरूरत..

उल्लेखनीय है कि पालडोंगरी कैप तक पहुंचने वाला मार्ग लंबे समय से किसानों और परिवहन में लगे वाहनों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। हर वर्ष धान खरीदी का समय नजदीक आने पर मार्ग पर मिट्टी और मुरम डालकर उसे अस्थायी रूप से आवागमन योग्य बनाने का प्रयास किया



समस्या सामने आते ही मौके पर पहुंचा प्रशासन..

इस पूरे घटनाक्रम में एक सकारात्मक पहलू यह भी सामने आया कि समस्या को सामने आने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी द्वारा तहसीलदार के साथ पालडोंगरी कैप पहुंचकर मार्ग की स्थिति देखना और स्थानीय जनप्रतिनिधि से चर्चा कर समाधान की दिशा में पहल करना प्रशासन की सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाता है। प्रशासनिक व्यवस्था में जब अधिकारी जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी वास्तविक स्थिति जानने के लिए मौके पर पहुंचते हैं, तो छोटी-छोटी समस्याएं बड़ी परेशानी बनने से पहले ही दूर की जा सकती हैं। इससे आम लोगों में भी यह भरोसा बढ़ता है कि उनकी समस्याओं को

प्रशासन तक पहुंचाने के बाद उस पर संज्ञान लिया जाएगा और समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

सरपंच ने पंचायत इंजीनियर को दिए निर्देश..

एसडीएम द्वारा मौके पर निरीक्षण किए जाने और सरपंच से चर्चा के बाद पालडोंगरी सरपंच गणेशराम नारनैरे ने पंचायत इंजीनियर को मार्ग सुधार के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। यदि समय रहते मार्ग की मरम्मत और आवश्यक सुधार कार्य पूरा कर लिया जाता है तो आगामी खरीदी सीजन में किसानों को काफी हद तक राहत मिल सकती है। इस पहल से यह भी उम्मीद जगी है कि किसानों को अपनी उपज लेकर कैप तक पहुंचने में अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और धान के परिवहन एवं भंडारण की व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।

बी पैक्स पालडोंगरी पहुंचे एसडीएम, तहसीलदार आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

जगप्रेरणा लांजी।

बी पैक्स पालडोंगरी में बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आदित्य नारायण तिवारी एवं तहसीलदार संजय बारस्कर द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

अधिकारियों के अचानक पहुंचने पर समिति में संचालित विभिन्न कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने समिति के रिर्कांड, कार्यप्रणाली, किसानों से संबंधित व्यवस्थाओं तथा कार्यालय



साथ ही किसानों एवं आमजन से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समिति से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ नियमानुसार

समय पर उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार करने के लिए कहा। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान समिति परिसर में कार्यरत कर्मचारियों में भी सक्रियता देखने को मिली।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा के साथ जारी है श्राद्ध पक्ष 10 को अमावस्या तर्पण के साथ होगा समापन..

जगप्रेरणा लांजी।

सनातन परंपरा में पितरों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष पर्व पितृपक्ष इन दिनों श्रद्धा और धार्मिक आस्था के वातावरण में चल रहा है। पितृपक्ष का संदेश भी यही है कि आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच व्यक्ति अपने उन पूर्वजों को न भूले, जिनके संस्कार, संघर्ष और योगदान से परिवार की नींव मजबूत हुई। श्रद्धा और कृतज्ञता के इसी भाव के साथ पितृपक्ष के शेष दिनों में भी लोग अपने पितरों का स्मरण करते हुए तर्पण और श्राद्ध कर्म करेंगे तथा 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इस धार्मिक पर्व का समापन होगा। पितृपक्ष के दौरान लोग अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण करते हुए उनकी निर्धारित तिथि के अनुसार श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान एवं दान-पुण्य के कार्य कर रहे हैं। पितृपक्ष का समापन 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। पितृपक्ष की तिथियों के क्रम में 7 अक्टूबर को द्वादशी श्राद्ध, जबकि 8 अक्टूबर को त्रयोदशी श्राद्ध किया जाएगा। इन तिथियों को लेकर सर्वसमाज के लोगों में धार्मिक आस्था देखने को मिल रही है। अलग-अलग परिवारों द्वारा अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार घरों में श्राद्ध कर्म एवं तर्पण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कई परिवारों द्वारा ब्राह्मण भोज, जरूरतमंदों



समरण कर श्राद्ध कर्म करते हैं। पितृपक्ष के दौरान लांजी क्षेत्र में सर्वसमाज के लोग अपनी-अपनी धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार पितरों का स्मरण कर रहे हैं। कहीं घरों में विधि-विधान से श्राद्ध कर्म हो रहा है तो कहीं पितरों के निमित्त भोजन एवं दान किया जा रहा है। परिवारों में नई पीढ़ी को भी पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके योगदान से अवगत कराने का यह अवसर बन रहा है।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर..

हिंदू धर्म की मान्यताओं में पितृपक्ष को केवल धार्मिक अनुष्ठान का समय नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर माना गया है। इस दौरान परिवार अपने दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी और अन्य पूर्वजों को श्राद्धपूर्वक याद करते हैं तथा उनकी आत्मिक शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म करते हैं। मान्यता है कि जिस चंद्र तिथि को किसी परिजन का निधन हुआ हो, पितृपक्ष में उसी तिथि पर उनका श्राद्ध किया जाता है। यही कारण है कि इन दिनों परिवारों में अपने दिवंगत परिजनों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म संपन्न किए जा रहे हैं। घरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ पितरों को जल अर्पित कर तर्पण किया जा रहा है।

सेवा संकल्प कार्यक्रम अंतर्गत, सेवा ज्योति कलश यात्रा का हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा किरनापुर।

यात्रा का उद्देश्य सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसहभागिता एवं सामाजिक समरसता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना था।

सेवा ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ प्रातः 7:00 बजे लांजी से हुआ। यात्रा लांजी से प्रारंभ होकर बालाघाट पहुंची, पश्चात सेवा ज्योति कलश यात्रा पुनः बालाघाट से लांजी की ओर रवाना हुई।

यात्रा के किरनापुर क्षेत्र में आगमन पर किरनापुर स्थित किरनाई मंदिर में यात्रा का स्वागत एवं पड़वल हुआ। इस अवसर पर शासकीय स्व. दिलीप भट्टे महाविद्यालय, किरनापुर के छात्र-छात्राओं द्वारा सेवा ज्योति कलश यात्रा का पुष्पों एवं पुष्पवर्षा के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर यात्रा के प्रति अपनी श्रद्धा, सम्मान एवं सक्रिय सहभागिता व्यक्त की।



सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक महेश दमाहे सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समन्वय एवं सफल क्रियान्वयन में कार्यक्रम समन्वयक सहायक प्राध्यापक श्री वरेण्य सिरसाटे तथा नोडल अधिकारी सहायक प्राध्यापक पल्लवी रिनाहिते की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवा ज्योति कलश यात्रा के किरनापुर आगमन पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस आयोजन ने विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसहभागिता, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को विकसित एवं प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस प्रकार सेवा संकल्प कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत आयोजित सेवा ज्योति कलश यात्रा महाविद्यालय के लिए एक प्रेरणादायी एवं सार्थक आयोजन रहा।

सेवा संकल्प अभियान: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में रक्तदान शिविर का आयोजन, युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक किया रक्तदान..

जगप्रेरणा किरनापुर।

‘शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय बालाघाट सेवा संकल्प अभियान 2.0 के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) किरनापुर में एक दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय समाजसेवियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और युवाओं ने बहु-चक्रकर हिस्सा लिया और मानव सेवा के इस पावन कार्य में अपना योगदान दिया। और उपस्थित अतिथियों ने रक्तदान को ‘महादान’ बताते हुए कहा कि संकट की स्थिति में किसी जरूरतमंद मरीज या दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति के लिए रक्त ही जीवन रक्षक साबित होता है। रक्तदान प्रक्रिया को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिला चिकित्सालय की ब्लड बैंक टीम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र



किरनापुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण (हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर आदि) के बाद ही रक्तदाताओं से रक्तदान कराया गया। शिविर में प्रथम बार रक्तदान करने वाले युवाओं में खासा उत्साह देखा गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी रक्तदाताओं को जलपान कराने के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और उन्हें भविष्य में भी सामाजिक व मानवीय सरोकारों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर के चिकित्सा अधिकारियों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों का विशेष सहयोग रहा।

शांति समिति थाना किरनापुर अध्यक्ष कमलेश कनोजे ने बताया कि मैंने आज 19 वीं बार रक्तदान किया है।

नवरात्रि पर्व पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा भव्य आयोजन..

जगप्रेरणा किरनापुर।

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मंदिर सोनपुरी के प्रांगण में इस वर्ष नवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत धूमधाम श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है।

नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन विशेष पूजा अर्चना के साथ-साथ भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई है। समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस वर्ष नवरात्रि पर्व को और अधिक भव्य एवं रमणीक बनाने के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विशाल देवी जागरण हिंगलाज देवी जागरण गुप्त जबलपुर , रघु डांस डीआईडी प्रतियोगिता सुप्रसिद्ध भजन एवं झांकी कलाकार द्वारा माता रानी के जगारते का भव्य आयोजन किया जाएगा। शायरी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा विशेष दृष्टि शायरी व अन्य पारंपरिक मंच प्रस्तुतियां दी जाएंगी। गरबा एवं डांडिया रास नवरात्रि के पावन अवसर पर पारंपरिक गरबा और डांडिया डांस का आयोजन किया गया है जिसमें श्रद्धालु पारंपरिक परिधानों में माता रानी के भक्ति में ही लीन होकर नृत्य करेंगे। जस गायन स्थानी लोक संस्कृति से पारंपरिक जन सेवा गीत का आयोजन किया गया है जो इस क्षेत्र के मुख्य आकर्षणों में एक रहेगा विजयादशमी रावण दहन नवरात्रि के समापन अवसर पर अधर्म



पर धर्म की विजय के प्रतीक स्वरूप भव्य रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न होगा। विशाल महा भंडारा धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई है। समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस वर्ष नवरात्रि पर्व को और अधिक भव्य एवं रमणीक बनाने के लिए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विशाल देवी जागरण हिंगलाज देवी जागरण गुप्त जबलपुर , रघु डांस डीआईडी प्रतियोगिता सुप्रसिद्ध भजन एवं झांकी कलाकार द्वारा माता रानी के जगारते का भव्य आयोजन किया जाएगा। शायरी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा विशेष दृष्टि शायरी व अन्य पारंपरिक मंच प्रस्तुतियां दी जाएंगी। गरबा एवं डांडिया रास नवरात्रि के पावन अवसर पर पारंपरिक गरबा और डांडिया डांस का आयोजन किया गया है जिसमें श्रद्धालु पारंपरिक परिधानों में माता रानी के भक्ति में ही लीन होकर नृत्य करेंगे। जस गायन स्थानी लोक संस्कृति से पारंपरिक जन सेवा गीत का आयोजन किया गया है जो इस क्षेत्र के मुख्य आकर्षणों में एक रहेगा विजयादशमी रावण दहन नवरात्रि के समापन अवसर पर अधर्म

अजीत, गंगाराम निखाड़े, बालकृष्ण अर्जुनवार अरविंद वराड़े, योगेश ब्रम्हे, भूपेन्द्र अजीत, बटी अर्जुनवार, मारोती मिश्रकर, चैनलाल उयके लोकेश अजीत, रवि अजीत किसनलाल उयके कपूरचंद पाँचे, धर्मेन्द्र वराड़े, संतोष सिलहरे, चंदू राहंगाडले, पवन बिसेन, हुकुमचंद सिलहरे।

महिला व्यवस्थापक :-संगीता वराड़े, एकता अर्जुनवार, मैना पाँचे, दीपा कावड़े, दर्शना बशीचन्द्र, शारदा निखाड़े, नेहा निखाड़े, आरती बंशपाल खुशबू गोखले, भूलता गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, मंजू ब्रम्हे, सत्यलीला मिश्रकर, किरण मिश्रकर, शालिनी हाथीमारे, कु. परी अर्जुनवार, खुशी पांचे, मधु कावरे अशिका नेवारे प्रिती पांचे, मुस्कान निमजे, प्रोविता कावरे रुबी देशमुख, लुईला देशकर, सुहानी कावरे, कशिश कावरे, ईशा-चन्द्रवंशी चुनुमन, शानु पाराशर।

सदस्यगण:- धर्मेन्द्र कावरे, धनराज निखाड़े, पप्पू नेवारे अतुल अर्जुनवार, नितेश मरकाम, मनोज भिमटे राधेश्याम इडपाचे, नरसू पांचे, चरन उयके लक्ष्मण पांचे, गनपत मानेश्वर, उदेलाल मानेश्वर घनश्याम जांणड़े, दामेन्द्र जांणड़े, राजकुमार बाहे, दिलीप निखाड़े, राजकुमार निखाड़े, पीतम निखाड़े अशोक निखाड़े, सुन्दरलाल निखाड़े, रविन्द्र रायकर मुकेश भिमटे, सिद्धार्थ वैध, जगदीश निमजे पन्नालाल मातरे, मोल पांचे, नन्दु जांणड़े, धनराज कावरे, बबलू नौखरे, पूरन उयके नारायण उयके, चेतन सिंह इडपाचे, तारासिंह इडपाचे नरबद सिंह मरावी, भैरालाल बीबी नाहके, राजू भिमटे, इंद्रजीत भिमटे, शंकर बरे महिपाल कावरे, महेश कावरे, राजू बारसे एवं समस्त ग्रामवासी।

JAB CHAHNIYE HO DOOR TAK PAHUNCH CHAL MERI LUNA

BOOK NOW 19 JAN 15:00

₹53,900/- BOOK NOW



KINETIC GREEN

BP E VEHICLES

Address :- Ward No. 32, Near Ashanti Gas Agency, Balghat

Contact 9517852385 7468752365

अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्च सेंटर

बंधव पीढ़ियों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ:

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इन्वर्टेड टेस्ट टयुब बेबी (ICSI)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवजन इन्जेक्शन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- पुरुष बंधव निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनीग्राफी
- हार्मोन्स की जांच
- हार्मोन्स की गड़बड़ी की ईलाज
- दुर्बलन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो. प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधव चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

मुंबई में विभागीय बैठक लेकर सांसद प्रफुल पटेल ने दिये धान उत्पादक किसानों को बोनस देने के निर्देश..

दिवाली से पहले सरकारी धान खरीदी केंद्रों को भी शुरू करने कि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा..

जगप्रेरणा गोंदिया।
नागपुर संभाग में न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीदी योजना के तहत संचालित सभी शासकीय एवं सहकारी धान खरीदी केंद्रों की समस्याओं, सीएमआर मिलिंग एवं भंडारण तथा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुंबई में आज 07 अक्टूबर को

राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं ग्राहक संरक्षण मंत्रालय में मंत्री छान भुजबल की प्रमुख उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उपस्थित रहकर सांसद प्रफुल पटेल ने किसानों के हित में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए तत्परता से सभी कार्य सुनिश्चित करने के लिये कहा। बैठक में सांसद प्रफुल पटेल ने जिले के किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि गोंदिया और भंडारा जिले के संकटग्रस्त धान उत्पादक किसानों को बोनस दिलाने के लिए वे लगातार सरकार के समक्ष मांग उठाते रहे हैं। धान पर बोनस देने का आश्वासन विधानसभा अधिवेशन में भी सरकार की ओर से दिया गया था। इसलिए किसानों को बोनस दिलाने के लिए



इस क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बोनस देने की मांग करेंगे।

सांसद प्रफुल पटेल ने कहा कि दिवाली से पहले शासकीय धान खरीदी केंद्र तत्काल शुरू किए जाएं और मिलिंग किए गए किसानों के धान की शीघ्र उठाव प्रक्रिया पूरी की जाए। किसानों की ई-पीक पंजीयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो और धान खरीदी प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को सतर्कता से काम करना चाहिए।

सांसद प्रफुल पटेल ने भंडारा और गोंदिया जिले में महाराष्ट्र राज्य आदिवासी विकास महामंडल द्वारा वर्ष 2001 से 2014 तक की लंबित कमीशन राशि तत्काल जारी करने की मांग भी की। इसके अलावा शासकीय धान खरीदी केंद्रों तथा धान खरीदी करने वाली संस्थाओं की तकनीकी एवं भौतिक समस्याओं सहित किसानों के विभिन्न प्रश्नों पर भी चर्चा की गई। बैठक में सांसद राजेंद्र जैन ने ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित होकर मंत्री छान भुजबल के

समक्ष मांग रखी कि नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर कर्जमुक्ति योजना का लाभ तत्काल दिया जाए। उन्होंने कहा कि **BEAM** पोर्टल के माध्यम से किसानों का पंजीयन किया जाता है, लेकिन वर्तमान में पोर्टल बंद होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए **BEAM** पोर्टल को तत्काल शुरू किया जाए।

सांसद राजेंद्र जैन ने बैठक में यह बताया कि धान के भंडारण के लिए गोदामों की क्षमता कम होने के कारण लगभग 70 प्रतिशत धान खुले में रखने की स्थिति बन रही है। इसलिए गोदामों की संख्या और भंडारण क्षमता बढ़ाई जाए, साथ ही गोंदिया और भंडारा जिले के धान खरीदी केंद्र तत्काल शुरू करने को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में विधायक राजकुमार बडोले, विधायक राजू कारेमोरे, विधायक विनोद अग्रवाल सहित विदर्भ के विभिन्न जनप्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

12 गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

गोंदिया जिले मे सूखे की स्थिति को देखते हुए

आगामी 08 महीनों में जिले के लिये जल संचयन करना होगा.. अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े

जगप्रेरणा गोंदिया।

जिलाधिकारी कार्यालय में मंगलवार को केंद्रीय भूजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर की ओर से आयोजित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए

जिले की सूखा स्थिति की समीक्षा की, तथा कहा कि महाराष्ट्र राज्य में सूखे की स्थिति को देखते हुए उपलब्ध पानी का उचित तरीके से नियोजन किया जाए। आगामी आठ महीनों के साथ-साथ भविष्य में पानी की कमी से बचने के लिए व्यापक जल प्रबंधन योजना तैयार की जाए, ऐसे निर्देश दिए। इस बैठक में केंद्रीय भूजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर की साईटिस्ट-डी प्रीती राऊत, साईटिस्ट-सी मोदी दुर्गाप्रसाद, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक, भूजल सर्वेक्षण एवं विकास यंत्रणा, गोंदिया के कुणाल इंगले, जिला परिषद ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता अर्जिंक्य आर. वानखेडे, जिला कृषि अधीक्षक निलेश आर. कनवाडे, सहायक भूवैज्ञानिक डॉ. अभिजीत धारशिवकर, कनिष्ठ भूवैज्ञानिक अविनाश भोगे, प्रतीक श्रीकोंडवर, सहायक भूवैज्ञानिक प्रतीक पुल्कर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अपर जिलाधिकारी घोरपड़े ने कहा कि गोंदिया जिला निश्चित वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, लेकिन इस वर्ष अपेक्षित मात्रा में बारिश नहीं हुई है। ऐसे में हुई बारिश



का उचित नियोजन करते हुए उपलब्ध जलस्रोतों का किफायती उपयोग करना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन तथा वर्ष-दर-वर्ष बारिश में होने वाले बदलावों का अध्ययन कर बदलते मानसून का खेती, भूजल और आम नागरिकों के दैनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिए अभी से नियोजन करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि गोंदिया जिले के समृद्ध वनक्षेत्र, वन्यजीवों के साथ-साथ नागरिकों और कृषि क्षेत्र की पानी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल नियोजन किया जाना चाहिए। पानी की प्रत्येक बूंद का सावधानीपूर्वक उपयोग, जलसंधारण के कार्य प्रभावी ढंग से लागू करने और भूजल स्तर को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए।

धान के साथ कम पानी में होने वाली फसलों पर भी विचार..

गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर धान की खेती की जाती है। धान की फसल के लिए अधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में भविष्य में बारिश की अनियमितता का असर इस फसल पर पड़ने की संभावना है। इसलिए किसानों में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए कम पानी में होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाकर संबंधित योजनाओं के माध्यम से आवश्यक कार्य पूरे किए जाएं, ऐसा भी अपर जिलाधिकारी घोरपड़े ने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जलसंधारण के कार्य करते समय भूजल स्तर का संतुलन बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उपलब्ध पानी का नियोजन केवल आगामी आठ महीनों तक सीमित न रखते हुए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर वैज्ञानिक तरीके से किया जाना चाहिए।

भूजल प्रबंधन योजना की सिफारिशें प्रस्तुत..

कार्यशाला में केंद्रीय भूजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर की ओर से राष्ट्रीय जलस्रोत मानचित्रण के तहत तैयार किए गए 'एक्रिप्पर मैनेजमेंट प्लान' की सिफारिशों तथा गोंदिया जिले में भूजल की गुणवत्ता के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान जिले में उपलब्ध भूजल भंडार, उसकी गुणवत्ता तथा भविष्य में जल प्रबंधन के लिए आवश्यक उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

शारदा वाचनालय में मनाया गया अभिजात मराठी भाषा सम्मान दिवस

जगप्रेरणा गोंदिया।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज की संस्कृति, परंपरा, भावनाओं और विचारों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। विभिन्न भाषाओं और बोलियों का सम्मान एवं संरक्षण करने से आपसी रिश्ते और अधिक मजबूत होते हैं। भाषा लोगों के दिलों को जोड़ती है और समाज को अधिक समरस बनाती है। यह विचार साहित्यकार युवराज गंगाराम ने व्यक्त किए।

जिला ग्रंथालय अधिकारी कार्यालय एवं श्री शारदा वाचनालय, गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को शारदा वाचनालय में अभिजात मराठी भाषा सम्मान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवराज गंगाराम ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में जिला सूचना अधिकारी अंजु निमसरकर, जिला ग्रंथालय अधिकारी खुमेंद्र बोपचे, जिला ग्रंथालय संध के सचिव डी. डी. रहगंडाले तथा सहसचिव यशवंत भगत प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत साहित्यकार एवं कवि कुसुमाग्रज (वि. वा. शिरवाडकर) के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

बोले युवराज गंगाराम..

युवराज गंगाराम ने कहा कि मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा देते समय उसकी लगभग ढाई हजार वर्ष पुरानी परंपरा को ध्यान में रखा गया है। भौगोलिक दूरी के अनुसार भाषा का स्वरूप और उसका प्रयोग बदलता रहता है, लेकिन भाषा हमेशा लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करती है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के साथ ही मानक भाषा का सही प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मराठी साहित्य मानव-केंद्रित और यथार्थवादी होना चाहिए। लेखन के माध्यम से समाज की वास्तविकता का प्रभावी चित्रण होना आवश्यक है। अन्य भाषाओं की समृद्ध परंपराओं के प्रभाव से भी मराठी भाषा निरंतर समृद्ध हुई है। किसी भी भाषा को पूरी तरह आत्मसात करने



के लिए उस भाषा में दैनिक गतिविधियां करने के साथ उसी भाषा में सोचने का प्रयास भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से मातृभाषा के साथ अन्य भाषाएं भी सीखने और बहुभाषी बनने का आह्वान किया। इससे वैश्विक स्तर पर संवाद स्थापित करने की क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति का आत्मविश्वास भी मजबूत होता है।

बोली अंजु निमसरकर..

जिला सूचना अधिकारी अंजु निमसरकर ने कहा कि मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिलने से उसकी समृद्ध परंपरा और साहित्यिक विरासत का गौरव बढ़ा है। 'अभिजात' का अर्थ क्लासिक अर्थात शास्त्रीय और समृद्ध परंपरा से युक्त है। मराठी भाषा की विशाल साहित्यिक परंपरा है और उसकी मिठास का अपना अलग महत्व है। प्रत्येक व्यक्ति को मानक मराठी बोलने और भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रयास करना चाहिए।

महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने शिक्षा, ज्ञान और वैचारिक चेतना के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिलने के बाद गुणवत्तापूर्ण मराठी साहित्य का अन्य

भाषाओं में अनुवाद करने तथा अन्य भाषाओं में उपलब्ध मराठी से संबंधित साहित्य को पाठकों तक पहुंचाने की दिशा में शासन स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के बाहर भी मराठी भवन बनाए जा रहे हैं, जहां महाराष्ट्र से बाहर रहने वाले मराठी भाषी एकत्र होकर भाषा एवं संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर सकते। इसके साथ ही विदेशों में बृहन्महाराष्ट्र मंडल के माध्यम से आयोजित होने वाले साहित्य सम्मेलनों को भी शासन द्वारा सहयोग दिया जा रहा है।

जिला ग्रंथालय अधिकारी खुमेंद्र बोपचे ने प्रस्तावना में मराठी भाषा की प्राचीन एवं समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मराठी भाषा का संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। मराठी भाषा का वैभव, समृद्ध विरासत, प्राचीन ग्रंथ और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही अभिजात मराठी भाषा सम्मान दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम का संचालन इनकलाल पारधी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन यशवंत भगत ने किया। इस अवसर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी, ग्रंथालय के सदस्य, पाठक एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भंडारा जिला कोषागार कार्यालय मे 8 अक्टूबर को पेंशन अदालत का आयोजन..

जगप्रेरणा भंडारा।

जिला कोषागार कार्यालय, भंडारा एवं प्रधान महलेखाकार कार्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026 को सामाजिक न्याय भवन, सिविल लाइन, भंडारा में पेंशन अदालत का आयोजन किया गया है। पेंशन अदालत का पहला सत्र सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में जिला कोषागार कार्यालय, भंडारा के अंतर्गत आने वाले सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को उपस्थित रहना होगा। वहीं दूसरा सत्र दोपहर 2 बजे से 3.30 बजे तक होगा। इस सत्र में सभी सेवानिवृत्त पेंशनधारकों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों की पेंशन से संबंधित शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जिला कोषागार कार्यालय, भंडारा की ओर से पेंशनधारकों से उपस्थिति की अपील की गई है।

गोंदिया मेडिकल कॉलेज के ईएनटी जूनियर रेजिडेंट्स ने पीजी विवज में द्वितीय रनर-अप पुरस्कार जीता

जगप्रेरणा गोंदिया।

शासकीय वैद्यकीय

महाविद्यालय (जीएमसी), गोंदिया के कान-नाक-गला (ईएनटी) विभाग की कनिष्ठ निवासी डॉ. सायली पारलेवार एवं डॉ. प्राजक्ता हेडाऊ ने नागपुर में आयोजित डॉ. अमर मेधवानी स्नातकोत्तर प्रश्न मंजूषा प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय रनर-अप पुरस्कार प्राप्त किया।

यह प्रतियोगिता इंडियन एसोसिएशन

ऑफ ओटोरिनालैरिंगोलॉजिस्ट्स एवं हेड एंड नेक सर्जन्स, विदर्भ तथा शासकीय इंदिरा गांधी वैद्यकीय महाविद्यालय, नागपुर के कान-नाक-गला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 4 अक्टूबर 2026 को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विदर्भ के 12 मेडिकल कॉलेजों के कान-नाक-गला विषय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस उल्लेखनीय सफलता पर जीएमसी गोंदिया के अधिष्ठाता डॉ. कुसुमाकर घोरपड़े एवं कान-

नाक-गला विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्व पावडे ने दोनों कनिष्ठ निवासी चिकित्सकों को बधाई दी। विभाग के डॉ. गौरव अग्रवाल एवं समस्त कान-नाक-गला विभाग के प्राध्यापकों ने भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी। यह उपलब्धि जीएमसी गोंदिया के कान-नाक-गला विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं चिकित्सकीय शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का गौरवपूर्ण प्रमाण है।



- सूचना -

यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 98605 58902 पर संपर्क करें।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुल्ग्याप (बवासीर), फिशर मंगंद व अन्य गुदाराग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचमर्क केन्द्र

- कमर का दर्द
- पिट का दर्द
- रोगी एवं ब्याधी अनुपप पंचमर्क सुविधा
- गुटनों का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गतीया वात एवं सायटिका

- आर्यापुनिक सुविधा युक्त पंचमर्क चिकित्सा कक्ष
- शास्त्रसु एवं गुणवत्तायुक्त खनिमीत औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं ब्याधी अनुपप पंचमर्क सुविधा

डॉ. अपर्णा खोत्रागडे

B.A.M.S., M.D., (Nashik)

आयुर्वेद पंचमर्क चिकित्सक

📞 7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 📞 07182-796738

Fast Calculation... Bright Future...

VEDIC MATHS

+ Maths made Easy, Fun & Fast!

NEW BATCH STARTING

Learn Maths the Smart & Fun Way! $12 \times 13 = 156$

- Improve Calculation Speed
- Build Concentration & Confidence
- Learn Easy Calculation Tricks
- Make Maths Fast, Easy & Interesting
- E-Book Provided
- E-Certificate for Students

By **Sonali Chhabada**
International Certified Trainer

Batches:

- 5:00 PM - 6:00 PM
- 6:00 PM - 7:00 PM

Location:
Sai Mangalam Residency, Ayodhya Nagar, Ring Road, Gondia

For Admission & Details:
9990571730

Give your child the gift of **FAST & SMART CALCULATION!**

Limited Seats Available!